रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:49 | गुरूवार,23 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

नहीं रहे अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रसिद्ध भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार को उनके आवास पर निधन हो गया। चिटनिस के परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 100 वर्ष पूरे कर चुके डॉ. चिटनिस पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और सुबह के समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. चिटनिस ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति के शुरूआती वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मेंपरिवर्तित हुआ।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में उल्फा (आई)का उग्रवादी ढेर

एजेंसी

नई दिल्लीःअरुणाचल प्रदेश के नामसाई ज़िले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) का एक वरिष्ठ कैडर मारा गया है। उस पर असम के काकोपाथर में सेना के एक शिविर पर हुए हालिया हमले में शामिल होने का संदेह था। सेना के सूत्रों ने आज बताया है कि भारतीय सेना और असम राइफल्स ने उग्रवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने के बाद 21 और 22 अक्टूबर की मध्यरात्रि को एमएस-6 के घने जंगल क्षेत्र में एक समन्वित अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने समूह से संपर्क किया, जिसके बाद दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी हुई।

इंडिगो विमान की वाराणसी में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

कोलकाता :कोलकाता से श्रीनगर जा रहे इंडिगो के विमान में तकनीकी खराबी के चलते बुधवार शाम को वाराणसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान का फ्यूल लीक हो गया, जिसके बाद क्रू मेंबर ने इसकी जानकारी नजदीकी वाराणसी एयरपोर्ट को दी और विमान को लैंड कराने की इजाजत मांगी। इंडिगो के इस विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। इंडिगो के इस विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सभी यात्रियों को सकुशल विमान से उतारकर एराइवल एरिया में सुरक्षित बैठाया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से इस मामले की जांच की जारही है।हरियाणा में पानीपत के रहने वाले नीरज चोपड़ा 26 अगस्त 2016 को सेना में नायब सूबेदार के पद पर भर्ती हुए थे। 2021 में उन्हें सूबेदार बनाया गया।। इंडिगो के इस विमान में कुल 166 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सभी यात्रियों को सकुशल विमान से उतारकर एराइवल एरिया में सुरक्षित बैठाया गया

सैफ' प्रतियोगिता की मेजबानी झारखंड के लिए गर्व की बात : हेमंत सोरेन

सीएम ने भव्य और शानदार आयोजन कराने का दिया निर्देश, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनेगी अलग पहचान

संवाददाता

रांचीःबुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। इसमें उन्होंने साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन (सैफ) के सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में आने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता आ रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का रांची में आयोजन होना पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। इसका भव्य, शानदार और सफल आयोजन हो, ताकि खेलों के क्षेत्र में हमारे राज्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान स्थापित हो। इससे पहले मंत्री व पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को 24 से 26 अक्टूबर तक रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित होने वाली चौथी (सैफ) सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा। उद्घाटन समारोह 24 अक्टूबर को शाम 6 बजे से आयोजित होगा। खेल मंत्री ने रांची में आयोजित हो रहे सैफ सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता की तैयारियों से संबंधित जानकारी से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

ओलिंपिक विजेता नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना ने दी लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

बुधवार को ओलिंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा और उनके परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने उन्हें दृढ़ता, देशभक्ति और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की भारतीय भावना का प्रतीक बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को साउथ ब्लॉक में पिपिंग समारोह के दौरान स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का चमचमाता प्रतीक चिह्न औपचारिक रूप से प्रदान किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि नीरज चोपड़ा अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय गौरव के सर्वोच्च आदर्शों के प्रतीक हैं। वह खेल जगत के साथ ही सशस्त्र बलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी और भारतीय सेना एवं प्रादेशिक सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्र के प्रति उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और अनुकरणीय सेवा के सम्मान में लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा को इसी साल 16 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रादेशिक सेना में मानद कमीशन प्रदान किया था। इससे पहले उन्हें पद्मश्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, परम विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक सेसम्मानित किया जा चुका हैआर्मी चीफ की मौजूदगी में रक्षा मंत्री ने मानद पद का चमचमाता प्रतीक चिह्न औपचारिक रूप से सौंपा।

रांची डीसी ने जिला प्रशासन की टीम के साथ शहर के कई छठ घाटों का किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा होगी सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता

बिचौलियों को छठ घाटों पर 'कब्जा' न करने दें

रांची : आगामी छठ पर्व को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को जिला प्रशासन की पूरी टीम के साथ राजधानी के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों पर सफाई, सुरक्षा, प्रकाश, पेयजल, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम कांके डैम, हटनिया तालाब, चडरी तालाब, बड़ा तालाब (रांची झील) और धुर्वा डैम जैसे प्रमुख घाटों पर पहुंची। उपायुक्त ने अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। डीसी ने कहा कि सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी घाटों पर तैनात रहें। उन्होंने बैरिकेडिंग, गोताखोरों की मौजूदगी और कंट्रोल रूम की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त भजन्त्री ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे केवल सुरक्षित गहराई तक ही जल में प्रवेश करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा- निदेशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान स्वच्छता, संयम और सुरक्षा तीनों ही आवश्यक हैं। स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था को लेकर नगर निगम को निर्देश दिया गया कि सभी घाटों की सफाई, कचरा निस्तारण और कीचड़ हटाने का कार्य पूरा किया जाए। बिजली विभाग को घाटों पर पर्याप्त लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि अर्घ्य के समय श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान डीसी ने पूजा समिति के सदस्यों से संवाद किया और स्थानीय तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने समितियों से अपील की कि वे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें ताकि पर्व शांति और सौहार्द के माहौल में संपन्न हो। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि सभी प्रमुख घाटों पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीम तैनात रहें ताकि किसी आकस्मिक स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। निरीक्षण के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, एडीएम (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, एसडीओ उत्कर्ष कुमार, यातायात एसपी राकेश सिंह, डीपीआरओ उर्वशी पांडेय सहित नगर निगम, बिजली, पीएचईडी और अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

आदिवासियों पर लागू नहीं हिंदू उत्तराधिकार कानून

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि अनुसूचित जनजातियों (आदिवासियों) पर हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 लागू नहीं होता। शीर्ष अदालत ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट की ओर से 2015 में दिए गए एक आदेश को रद्द करते हुए यह फैसला सुनाया। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि राज्य के जनजातीय क्षेत्र की बेटियों को हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत पैतृक संपत्ति में अधिकार मिलेंगे, न कि पारंपरिक रीतियों के अनुसार। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह आदेश कानून के खिलाफ था। हिंदू उत्तराधिकार कानून की धारा 2(2) में लिखा है कि यह कानून अनुसूचित जनजातियों पर तभी लागू हो सकते हैं, जब केंद्र सरकार इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करे। शीर्ष अदालत ने कहा कि लैंगिक समानता जरूरी है, लेकिन अदालतें कानून या संविधान की सीमा से बाहर नहीं जा सकतीं। कोर्ट ने इस में अपने पुराने फैसले तीरथ कुमार बनाम दादूराम का हवाला दिया। इसमें कहा गया कि केवल राष्ट्रपति के पास अधिकार है कि वे किसी समुदाय को अनुसूचित जाति या जनजाति की सूची में शामिल या बाहर करें। न्यायपालिका ऐसा नहीं कर सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने मधु किश्वर बनाम बिहार राज्य (1996) के फैसले का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम और मुस्लिम पर्सनल लॉ जनजातीय समुदायों पर तब तक लागू नहीं होते ।

कल से रांची में छह देशों के एथलीटों का 'महाकुंभ'

संवाददाता

रांची : चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (सैफ) 24 से 26 अक्टूबर तक रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित होगी। तीन दिनों तक चलने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के साथ बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान और मालदीव के 205 एथलीट विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस चैंपियनशिप का उद्घाटन 24 अक्टूबर की शाम 6 बजे करेंगे। आयोजन को लेकर रांची का माहौल पूरी तरह खेलमय हो गया है। बुधवार को विभिन्न देशों के एथलीट रांची पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। कई खिलाड़ियों ने स्टेडियम में पहुंचकर अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। राज्य के खेल एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर तैयारियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रांची लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है। इस बार फिर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन झारखंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आयोजन शानदार और सफल हो, ताकि खेल जगत में झारखंड की पहचान और मजबूत हो। मौके पर विभागीय सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक शेखर जमुआर और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मधुकांत पाठक भी मौजूद रहे। खेल निदेशक शेखर जमुआर ने बताया कि राज्य सरकार ने सभी इंतजाम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किए हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, अभ्यास और परिवहन की बेहतर व्यवस्था की गई है। चैंपियनशिप के उद्घाटन और समापन दोनों मौकों पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। उद्घाटन

'क्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड में धंस गए राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहिए

एजेंसी

नई दिल्लीःबुधवार की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिए प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड में धंस गए। राष्ट्रपति के सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना होने के बाद टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान हेलीकॉप्टर के पहियों को छोटे-छोटे गड्ढों से धक्के देकर बाहर निकालते हुए दिखाई दिए। हेलीकॉप्टर के हेलीपैड पर उतरने के बाद ये गड्ढे बन गए। घटना के बाद पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने इसे सुरक्षा चूक करार दिया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कीमांग की। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह घटना दिखाती है कि केरल सरकार राष्ट्रपति की सुरक्षा के प्रति लापरवाह है। मुरलीधरन ने कहा कि इस मामले को हल्के में नहीं लिया जा सकता और उन्होंने कथित सुरक्षा चूक की जांच की मांग की। पूर्व मंत्री ने कहा कि भगवान अयप्पा की कृपा से कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए स्टेडियम को चुना गया था और इसलिए मंगलवार देर रात वहां हेलीपैड बनाया गया।

आज है 125वीं जयंती

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया बड़ा एलान

सरकार बनी तो सभी संविदा कर्मियों और 'जीविका दीदियों' को किया जाएगा स्थायी

एजेंसी

'जीविका दीदियों' को प्रति माह 30 हजार रुपये का दिया जाएगा वेतन, माफ होगा कर्ज

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, हमारे घोषणापत्र की नकल तो की गई है लेकिन उसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने महिलाओं को 10,000 रुपये तो दिए लेकिन वह भी उधार के रूप में जिसे चुनाव के बाद वापस लिया जाएगा। उन्होंने अपने पुराने वादे को दोहराते हुए कहा कि जिन परिवारों में कोई सरकारी नौकरी नहीं है, उन परिवारों के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी और यह वादा सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर लागू किया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से परेशान होकर बदलाव का मन बना चुकी है।

पटनाः बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत सभी संविदा कर्मियों और करीब दो लाख 'जीविका दीदियों' में शामिल सामुदायिक प्रेरकों (कम्युनिटी मोबिलाइजर) को महागठबंधन ('इंडिया' गठबंधन) की सरकार बनने पर स्थायी किया जाएगा। अपने सरकारी आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन राज्य में सरकार बनाता है, तो इन 'जीविका दीदियों' को प्रति माह 30,000 रुपये का वेतन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव एलायंस' ('इंडिया') गठबंधन राज्य में सत्ता में आता है तो जिन 'जीविका दीदियों' ने ऋण लिया है, उनके ब्याज को माफ कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को विधानसभा के चुनाव होंगे। पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 विधानसभा की सीटों पर मतदान होगा 14 नवंबर को परिणाम आएंगे। बता दें कि बिहार सरकार द्वारा विश्व बैंक की सहायता से संचालित बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना' (बीआरएलपी) को स्थानीय स्तर पर 'जीविका' के नाम से जाना जाता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबों का सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण करना है। इस परियोजना से जुड़ी महिलाओं को 'जीविका दीदी' कहा जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में जीविका दीदियों और संविदा कर्मियों के साथ लगातार शोषण और अन्याय हुआ है, लेकिन महागठबंधन की सरकार आने पर उन्हें सम्मानजनक वेतन, स्थायित्व और सामाजिक सुरक्षा दी जाएगी। राजद नेता ने दावा किया कि बिहार की जनता अब बदलाव के मूड में है और महागठबंधन राज्य को नयी दिशा देने के लिए तैयार है।

घाटशिला उपचुनाव में 14 प्रत्याशी मैदान में, तीन उम्मीदवारों का नामांकन रद्द

संवाददाता

चाईबासा : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के तहत बुधवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा प्रक्रिया पूरी कर ली गई। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुल 17 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया था, जिनमें से 14 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। वहीं, तीन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द कर दिए गए। जिन अभ्यर्थियों के नामांकन स्वीकृत हुए हैं, उनमें प्रमुख दलों के उम्मीदवारों के साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं। भाजपा से बाबूलाल सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से सोमेश चंद्र सोरेन के बीच मुख्य मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है। इनके अलावा पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) की पार्वती हांसदा, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के पंचानन सोरेन और जेएलकेएम के रामदास मुर्मू भी मैदान में हैं। निर्दलीय प्रत्याशियों में परमेश्वर टुडू, श्रीलाल किस्कू, मनसा राम हांसदा, नारायण सिंह, विकास हेम्ब्रम, बसंत कुमार तोपनो, मनोज कुमार सिंह, विक्रम किस्कु और रामकृष्ण कांति महली शामिल हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र रद्द किए गए हैं, उनमें निर्दलीय मालती टुडू, आपकी विकास पार्टी के दुखिराम मान्डी और राष्ट्रीय सनातन पार्टी के मंगलमुर्मू के नाम शामिल हैं।जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो घाटशिला उपचुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कानूनी पचड़े में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, प्रचार अभियान के दौरान वह अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी के ऊपर बैठकर जनसंपर्क कर रहे थे, जो चुनाव आचार संहिता और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन माना गया है। पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर बताया कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक रैली के दौरान कुछ लोगों ने चारपहिया वाहन पर बैठकर या खड़े होकर प्रचार किया। इस मामले में निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित प्रत्याशी या राजनीतिक दल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।घाटशिला (प्रवर जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो घाटशिला उपचुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कानूनी पचड़े में फंसते नजर आ रहे हैं।

रांची में अंतिम चरण में पहुंची छठ पूजा की तैयारी, उपायुक्त और एसएसपी ने किया घाटों का निरीक्षण

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में महापर्व छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं. श्रद्धा और आस्था के इस पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है. बुधवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन ने शहर के कई प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने कांके डैम और राजभवन के समीप स्थित हटानिया तालाब का विशेष रूप से जायजा लिया.

नगर निगम के जिम्मे घाट प्रबंधन

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नगर निगम अधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि नगर निगम छठ घाटों के पूर्ण प्रबंधन की जिम्मेदारी उठाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो. सभी घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल, लाइटिंग, अस्थायी शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

महिला सुरक्षा पुलिस की पहली प्राथमिकता

इस मौके पर एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की. उन्होंने बताया कि छठ पूजा के दौरान महिला सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता में है. श्रद्धालु महिलाएं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी और होमगार्ड की तैनाती की जाएगी. इसके साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग और निगरानी के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं. एसएसपी ने बताया कि सभी प्रमुख घाटों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाएगी ताकि आने-जाने में किसी तरह की परेशानी न हो. वाहनों के लिए वैकल्पिक रूट और पार्किंग स्थलों की भी व्यवस्था की जा रही है. इसके साथ ही ड्रोन की मदद से भीड़ की निगरानी की जाएगी.

पानी के गहरे हिस्से में रहेगी बैरिकेडिंग

प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से तालाबों और डैमों में साढ़े तीन फीट से अधिक गहरे हिस्से को घेराबंदी (बैरिकेडिंग) कर दिया है. उपायुक्त ने बताया कि यह कदम श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि कोई भी व्यक्ति गहरे पानी में न जाए. इसके अलावा एनडीआरएफ और गोताखोरों की टीम भी घाटों पर तैनात रहेगी.

डीसी ने कई घाटों का निरीक्षण किया

इधर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने छठव्रतियों से अपील की कि वे पूजा के दौरान बच्चों को असुरक्षित और गहरे पानी वाले हिस्सों में जाने से रोके. उन्होंने कहा कि प्रशासन की कोशिश है कि इस बार का छठ पर्व शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो. निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोंडा डैम, हटानिया तालाब, कडरू तालाब और धुर्वा डैम समेत कई दूसरे घाटों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की. निगम अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी घाटों पर लाइटिंग, पेयजल, बैरिकेडिंग और सफाई व्यवस्था जल्द पूरी की जाए.

जिला प्रशासन ने दिया महापर्व को शांति से मनाने का संदेश

जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं. उपायुक्त और एसएसपी के निरीक्षण के बाद नगर निगम और पुलिस विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं. वही प्रशासन का दावा है कि इस बार रांची में छठ पूजा पूर्ण रूप से सुरक्षित, स्वच्छ और शांतिपूर्ण माहौल में मनाई जाएगी.

देवप्रभा कंपनी ने रैयतों को मुआवजा व भू-धंसाव रोकने के निर्देशों का पालन नहीं किया : समिति

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद जिले के बलियापुर और झरिया अंचल में बीसीसीएल की एमडीओ कंपनी एटी देवप्रभा द्वारा किए जा रहे कोयला खनन और ओबी (ओवर बर्डन) डंपिंग कार्यों को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया है. यह आदेश समिति ने 17 अक्टूबर 2025 को धनबाद उपायुक्त को जारी किया. समिति की रिपोर्ट में कहा है कि देवप्रभा कंपनी ने रैयतों को मुआवजा और नियोजन देने में गंभीर लापरवाही की है. साथ ही, भू-धंसाव रोकने के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया, जिसे समिति ने अत्यंत गंभीर माना है.

रैयती जमीन पर बिना अधिग्रहण खनन का मामला उजागर

स्थानीय रैयतों ने समिति के समक्ष ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए कि कंपनी ने बिना भूमि अधिग्रहण किए रैयती, सरकारी और वन भूमि पर खनन कार्य किया है. समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि रैयतों को मुआवजा और रोजगार से वंचित रखना कानून और न्याय दोनों के खिलाफ है.

उच्चस्तरीय जांच सेल गठित करने का निर्देश

समिति ने धनबाद उपायुक्त को आदेश दिया है कि एक उच्चस्तरीय कोषांग (सेल) का गठन किया जाए, जो 15 दिनों के भीतर सभी संबंधित जमीनों की मापी कर कंपनी द्वारा प्रस्तुत कागजात, खाता संख्या, रकवा और मैपिंग रिकॉर्ड का मिलान करने को कहा है. समिति ने कहा कि यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि कंपनी ने सरकारी, रैयती, गैरमजरूआ या वन भूमि पर अतिक्रमण किया है, तो खनन और डंपिंग कार्यों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए. समिति ने प्रभावित क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है, ताकि रैयतों की भूमि विवाद, मुआवजा और रोजगार से संबंधित

काली पूजा के बाद तालाबों में विसर्जित सामग्री की निगम ने की सफाई

रांची, संवाददाता ।

काली पूजा संपन्न होने के बाद पूरे शहर में श्रद्धालुओं द्वारा पारंपरिक रूप से पूजा सामग्री और प्रतिमाओं का विसर्जन विभिन्न तालाबों और जलाशयों में किया गया. इसके बाद रांची नगर निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर के सभी प्रमुख जलाशयों -जैसे कि बड़ा तालाब, रुक्का डैम, चडरी तालाब, कांके डैम, धुर्वा डैम आदि में विशेष सफाई अभियान शुरू किया. नगर निगम की टीम ने सफाईकर्मियों और संसाधनों की संख्या बढ़ाकर अभियान को युद्धस्तर पर चलाया. इस दौरान तालाबों से फूल-मालाएं, कपड़े, लकड़ी, राख, मिट्टी और अन्य पूजा सामग्रियां निकाली गईं. निगम का उद्देश्य है कि विसर्जन के बाद जल प्रदूषण और दुर्गंध की समस्या न बढ़े तथा जलाशयों की स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन बरकरार रहे. नगर आयुक्त ने बताया कि निगम की ओर से पहले से ही पूजा समितियों को निर्देश दिए गए थे कि वे निर्धारित विसर्जन स्थलों का ही उपयोग करें, ताकि तालाबों और नालों में गंदगी न फैले. इसके बावजूद कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने सीधे तालाबों में सामग्री प्रवाहित कर दी, जिसके कारण तुरंत सफाई अभियान चलाना पड़ा।

छठ घाट पर कब्जे के खिलाफ एक्शन मोड में रांची नगर निगम, एफआईआर तक के निर्देश

रांची, संवाददाता ।

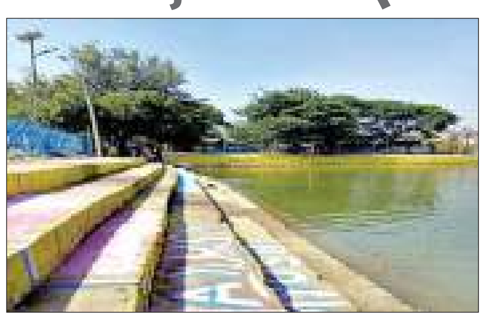

लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर एक तरफ जहां हर तरह की तैयारियां जोर-जोर से चल रही हैं, वहीं कुछ असामाजिक तत्व छठ जैसे महापर्व में भी छठ घाटों को लेकर पैसे की उगाही कर रहे हैं और घाटों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं. मामला संज्ञान में आने के बाद निगम के द्वारा ऐसे तत्वों से कड़ाई से निपटने के निर्देश जारी किए गए हैं. राजधानी रांची के कई प्रमुख छठ घाटों पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी. छठ घाट निरीक्षण के दौरान और कुछ छठ व्रतियों के द्वारा यह मामला नगर निगम के संज्ञान में लाया गया है. मामला संज्ञान में आने के बाद निगम एक्शन मोड में है. नगर निगम के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह स्पष्ट लिखा गया है कि छठ घाटों पर अवैध कब्जा करने और वसूली करने वालों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी. नगर निगम के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह लिखा गया है कि लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम के द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों और जलाशयों की सफाई, सौंदर्यीकरण और प्रकाश की व्यवस्था का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है. निगम का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुरक्षित और श्रद्धापूर्ण वातावरण में पूजा अर्चना करने की सुविधा मिले, लेकिन हाल के दिनों में नगर निगम के संज्ञान में यह बात आई है कि कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा तालाबों की सफाई के उपरांत अपने नाम, मोहल्ले या संगठन का नाम लिखकर स्थान पर कब्जा किया जा रहा है. इस प्रकार की गतिविधियां पूर्णतः अनुचित है और इसमें सार्वजनिक स्थलों के सुंदरता और श्रद्धालुओं के बीच संबंध से प्रभावित होगा.

कड़ी कार्रवाई के निर्देश

रांची नगर निगम के द्वारा यह बताया गया है कि उन्हें यह सूचना प्राप्त हुई है कि कुछ व्यक्तियों और संस्थाओं के द्वारा स्थान आवंटन या आरक्षित स्थान दिलाने के नाम पर श्रद्धालुओं से धन की वसूली भी की जा रही है. यह न केवल अपराध है, बल्कि धार्मिक आस्था का भी अनादर है. नगर निगम के द्वारा निगम की इंफोर्समेंट टीम को या आदेश दिया गया है कि वह सभी तालाबों और घाटों का निरीक्षण कर ऐसे लोगों को चिन्हित करें. रांची नगर निगम के द्वारा आम लोगों से यह अपील की गई है कि छठ महापर्व को सौहार्दपूर्ण, स्वच्छ और अनुशासित वातावरण में मनाएं.

क्या-क्या मिले हैं निर्देश

- निगम की टीम को यह निर्देश दिया गया है कि किसी व्यक्ति या संस्था के द्वारा स्थान चिन्हित करने, नाम लिखने या कब्जा करने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों की पहचान की जाए.
- अवैध वसूली या दबाव डालने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.
- आवश्यक होने पर एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.
- सभी चिन्हित और लिखे गए नाम को हटाने का कार्य भी निगम दल के द्वारा किया जा रहा है.

त्योहारों में भीड़ नियंत्रण को लेकर रेलवे सतर्क, रांची रेलवे स्टेशन पर बनाया गया विशेष होल्डिंग एरिया

रांची, संवाददाता ।

दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची मंडल ने विशेष इंतजाम किए हैं. रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाया गया है. होल्डिंग एरिया उन यात्रियों के लिए बनाया गया है, जो त्योहार स्पेशल ट्रेनों में यात्रा करने के लिए स्टेशन पर पहले से पहुंच जाते हैं. इसका उद्देश्य यात्रियों को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आरामदायक जगह देना और प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करना है. होल्डिंग एरिया में यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था, छाया के लिए शेड, पीने का पानी की सुविधा जैसी व्यवस्थाएं की गई है. साथ ही सुरक्षा कर्मियों को भी तैनात किया गया है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अफरातफरी न हो. रेलवे प्रशासन के अनुसार, त्योहारों के मौसम में रांची स्टेशन पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जिससे प्लेटफॉर्म और टिकट काउंटर पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो जाती है. ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाजनक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष कदम उठाया गया है रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह पहल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखकर की गई है, ताकि त्योहारी भीड़ के बीच यात्रा का अनुभव सहज और सुरक्षित बनाया जा सके.

छठ पूजा की तैयारियों के बीच श्रद्धालु गंदगी फैला रहे, संजय सेठ ने लिया सफाई का जायजा

रांची, संवाददाता ।

दीवाली और काली पूजा समाप्त हो चुका है और अब छठ महापर्व की तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है. नगर निगम द्वारा छठ पूजा को देखते हुए शहर के प्रमुख तालाबों और घाटों की सफाई का कार्य कई दिनों पहले से ही शुरू कर दिया गया है. श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख छठ घाटों पर सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं, जो लगातार सफाई कार्यों में जुटे हुए हैं. हालांकि दीवाली और काली पूजा के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी पूजा सामग्री जैसे फूल, चुनरी, कलश आदि को तालाबों और घाटों में प्रवाहित कर रहे हैं. यह परंपरा का हिस्सा जरूर है, लेकिन नगर निगम ने इस बार हर घाट पर पूजा सामग्री प्रवाहित करने के लिए एक निश्चित स्थान निर्धारित किया है. जिससे पूरे तालाब की सफाई बनी रहे. बावजूद इसके लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और मनचाही जगहों पर सामग्री प्रवाहित कर रहे हैं. आज शहर के बड़ा तालाब, चडरी तालाब, जेल मोड़ के समीप तालाब, करम टोली चौक तालाब और कांके डैम पर यही स्थिति देखने को मिली. जब लोगों को निर्धारित स्थान पर सामग्री विसर्जन करने की बात कही गई, तो उनका जवाब था यहां भी तो पानी ही है.

रक्षा राज्य मंत्री ने लिया जायजा

छठ पूजा स्थलों की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ आज सुबह से ही निरीक्षण पर निकले. उन्होंने बड़ा तालाब के अर्पण द्वार पर पहुंचकर श्रद्धालुओं से अपील की कि पूजा सामग्री केवल निर्धारित स्थानों पर ही प्रवाहित करें ताकि अन्य भागों में गंदगी न फैले.उन्होंने कहा कि छठ पूजा हम सभी का पर्व है. हमें इसकी गरिमा बनाए रखनी चाहिए. नगर निगम ने व्यवस्थाएं की हैं हमें सहयोग करना चाहिए. संजय सेठ ने यह भी जानकारी दी कि छठ महापर्व को UNESCO की सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करवाया गया है, जिससे अब पूरी दुनिया इस पर्व की महिमा और महत्व को समझेगी. उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब में पिछले सौ वर्षों से छठ पूजा होती आ रही है और इसी को ध्यान में रखते हुए दो साल पहले लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से एक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया गया था.

हेमंत सोरेन जैसा बड़ा दिल, बिहार के नेताओं में नहीं : मनोज पांडे

रांची, संवाददाता ।

पटना में होने वाली महागठबंधन की संयुक्त प्रेस वार्ता से पहले जेएमएम के वरिष्ठ नेता मनोज पांडे ने मीडिया से बातचीत में अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की. उन्होंने कहा कि हम जब चुनाव से बाहर आ गए तो बिहार में हम गठबंधन का हिस्सा भी नहीं रहे. हमें तो उस लायक ही नहीं समझा गया.

जेएमएम की पीड़ा कायम है, भावनाएं आहत हुई हैं

पांडेय ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी प्रेस वार्ता होगी. लेकिन जेएमएम की जो पीड़ा है, वह कायम है. जो भावनाएं हैं, वह कहीं ना कहीं आहत हुई है. उन्होंने हेमंत सोरेन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कई मौकों पर अपना बड़ा दिल दिखाया है, लेकिन बिहार के नेताओं में वह भावना नहीं दिखाई दी. इसे मैं नाइंसाफी कहूंगा.

सीट नहीं मिलने पर जेएमएम ने खुद को अलग किया

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही जेएमएम को राजद ने एक भी सीट नहीं दी. ऐसे में पार्टी ने चुनावी मैदान से खुद को अलग कर लिया है. हालांकि झारखंड में जेएमएम आरजेडी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही है.

1 जनवरी 2004 से पहले जारी विज्ञापनों के आधार पर चयनित कर्मी पुरानी पेंशन योजना के लाभों के हकदार : हाईकोर्ट

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की की खंडपीठ ने अपने एक आदेश में कहा है कि 01 जनवरी 2004 से पहले जारी विज्ञापनों के आधार पर चयनित कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना के लाभों के हकदार हैं, भले ही उनकी वास्तविक नियुक्ति या कार्यभार नई पेंशन योजना लागू होने के बाद हुआ हो. दरअसल भारतीय खनन विद्यालय धनबाद ने 2 सितंबर 2003 को सीनियर मेडिकल अधिकारी के पद के लिए विज्ञापन जारी किया था. इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि इस पद पर सामान्य भविष्य निधि सह-पेंशन लाभ मिलेगा. प्रतिवादी इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कार्यरत था और उसने इस पद के लिए आवेदन किया. कुछ कारणों से चयन प्रक्रिया में देरी हुई और उसे 3 अप्रेल 2004 को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया. इंटरव्यू में सफल होने के बाद उसने 30 जून 2004 को कार्यभार ग्रहण किया. इस बीच 22 दिसंबर 2003 को नई पेंशन योजना अधिसूचित की गई और 01 जनवरी .2004 से प्रभावी हुई. मूल विज्ञापन की शर्तों के विपरीत प्रतिवादी को नई योजना के अंतर्गत रखा गया.

प्रतिवादी ने पुरानी पेंशन योजना में स्थानांतरित करने का अनुरोध करते हुए कई अभ्यावेदन दिए. लेकिन अपीलकर्ता प्राधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की. इसके बाद प्रतिवादी ने हाईकोर्ट का रूख किया और रिट याचिका दायर की. कोर्ट ने रिट याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि प्रतिवादी पुरानी पेंशन योजना का हकदार है. सिंगल बेंच के इस आदेश को चुनौती देते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धनबाद ने अपील दायर की. अपीलकताओं ने तर्क दिया कि प्रतिवादी ने 30 जून 2004 को कार्यभार ग्रहण किया था, जो कि निर्धारित तिथि के काफी बाद की बात थी. इसलिए उनकी सेवा शर्तें उनके वास्तविक कार्यभार ग्रहण के समय लागू नई नीति व्यवस्था द्वारा उचित रूप से शासित थीं. दूसरी ओर, प्रतिवादी ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता को पुरानी पेंशन योजना/जीपीएफ सह-पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए, क्योंकि विज्ञापन 2 सितंबर, 2003 को जारी किया गया. जबकि नई पेंशन योजना 22 दिसंबर, 2003 को शुरू की गई थी और 01 जनवरी .2004 से प्रभावी हुई. दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पुरानी पेंशन योजना का लाभ उन नियुक्तियों को भी दिया जाना चाहिए, जिनका विज्ञापन 01 जनवरी 2004 की अंतिम तिथि से पहले दिया गया था। भले ही उनकी वास्तविक नियुक्ति उसके बाद ही हुई हो. इस संबंध में डॉक्टर प्रवीण सिंह ने सिंगल बेंच में याचिका दायर की थी.

महापर्व छठ : बाजारों में सूप, दउरा और पूजन सामग्रियों की बिक्री शुरू

रांची, संवाददाता ।

पूरे राज्य में महापर्व छठ की तैयारी शुरू हो गई है. सूर्य उपासना का यह चार दिवसीय पावन पर्व झारखंड की आस्था और परंपरा का प्रतीक माना जाता है. रांची समेत पूरे राज्य में छठ पूजा की रौनक दिखने लगी है. बाजारों में खरीदारों की भीड़ बढ़ने लगी है और छठ घाटों की सफाई का काम भी तेज हो गया है.

25 अक्टूबर से शुरू होगा अनुष्ठान

इस बार छठ महापर्व की शुरूआत 25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ होगी. इसके साथ ही चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की औपचारिक शुरूआत हो जाएगी. अगले दिन खरना, उसके बाद शाम का अर्घ्य और फिर सुबह का अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा. नहाय-खाय के साथ ही व्रती पूरी शुद्धता के साथ व्रत की शुरूआत करते हैं.

सज गए छठ के बाजार

राजधानी रांची में इन दिनों बाजारों में छठ से जुड़ी सामग्रियों की बिक्री जोरों पर है. बकरी बाजार, धुर्वा बाजार, चुटिया बाजार, अपर बाजार और हरमू बाजार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में छठ सामग्रियों की दुकानें सज गई हैं. बाजारों में सूप, दउरा, बांस की टोकरी बाजार में उपलब्ध है.

सूप और दउरा की बिक्री जोरों पर

सूप और दउरा इस पर्व में अहम माना जाता है. इस बार सूप की कीमत 100 से लेकर 150 तक और दउरा की कीमत 400 से 600 के बीच चल रही है. पिछले साल की तुलना में कीमतों में करीब 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है. इसके बावजूद खरीदारों में उत्साह कम नहीं है. बाजारों में बिकने वाले सूप, दउरा और टोकरी सुदूर ग्रामीण इलाकों से लाए जा रहे हैं. खूंटी, गुमला, लातेहार, सिमडेगा और हजारीबाग जैसे जिलों के कारीगर और ग्रामीण परिवार इन वस्तुओं को तैयार करते हैं. ये हाथ से बने बांस और फूस की वस्तुएं पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल होती हैं, जिनकी मांग शहरों में हर साल छठ पर होती है.

पूजन सामग्रियों की एडवांस बुकिंग

वहीं विक्रेताओं का कहना है कि दीपावली के तुरंत बाद से ही छठ बाजार सज जाता है. इस बार भी शहर के विभिन्न हिस्सों में उनकी बिक्री अच्छी चल रही है. कई दुकानदारों ने बताया कि ग्राहक पहले से ही पूजा सामग्रियों की एडवांस बुकिंग कर रहे हैं, ताकि आखिरी वक्त पर भीड़ की परेशानी न हो. विक्रेताओं ने बताया कि वे साफ-सफाई और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं. बांस के सूप-दउरा को अच्छी तरह धोकर और सजाकर बेचा जा रहा है.

छठ घाटों की सफाई का काम शुरू

दूसरी ओर नगर निगम की ओर से भी छठ घाटों की सफाई और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है. शहर के प्रमुख घाट कांके डैम, हटिया तालाब, धुर्वा डैम, रजरप्पा और हरमू नदी तट पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो. छठ पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने भी तैयारी शुरू कर दी है.

रांची पुलिस का खुलासा: कारोबारियों को धमकाने के लिए प्रिंस खान व सुजीत सिन्हा ने मिलाया हाथ

संवाददाता । रांची

रांची : संगठित अपराध को लेकर रांची पुलिस की जांच में अहम खुलासा हुआ है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम की जांच में खुलासा हुआ है, कि रांची में कारोबारियों को धमकाने और लेवी वसूलने के लिए अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा गिरोह ने आपस में हाथ मिला लिया है।

इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांके के रहने वाले बबलू खान, मो शाहिद, मो सेराज और पंडरा के रहने वाले रवि आनंद को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों के पास से पुलिस ने हथियार और कार बरामद की है।

उल्लेखनीय है कि कोयलांचल शांति सेना के नाम पर कुख्यात अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा द्वारा शहर के व्यवसायियों और कारोबारियों को फोन पर रंगदारी के लिए लगातार धमकी दिए जाने के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देशों के आलोक में एक बड़ी सफलता हासिल की गई है।

पाकिस्तान से ड्रोन से हथियार आने का खुलासा

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बरामद हथियार और गोली पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते भारत लाए जाते हैं। इन हथियारों का उपयोग रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों और व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलने के लिए किया जाता है।

रंगदारी का अंतर्राष्ट्रीय कनेक्शन

अपराधियों ने बताया कि रांची में इनामुल हक उर्फ बबलु खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलता है। वसूली गई राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता है, जिसे प्रिंस खान द्वारा यूएई के रास्ते पाकिस्तान भेजा जाता है।

इस राशि का उपयोग पाकिस्तान में उनके गुर्गों द्वारा अवैध हथियार की खरीद और अन्य अवैध कार्यों में किया जाता है। जो एक संगठित अंतर्राष्ट्रीय अपराध नेटवर्क की ओर इशारा करता है। पुलिस के अनुसार, यह भी उल्लेखनीय है कि डोरंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग की घटना के लिए हथियार भी इन्हीं गिरफ्तार व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

पाकिस्तान से ड्रोन से हथियार आने का खुलासा

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बरामद हथियार और गोली पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते भारत लाए जाते हैं। इन हथियारों का उपयोग रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों और व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलने के लिए किया जाता है।

रंगदारी का अंतर्राष्ट्रीय कनेक्शन

अपराधियों ने बताया कि रांची में इनामुल हक उर्फ बबलु खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलता है। वसूली गई राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता है, जिसे प्रिंस खान द्वारा यूएई के रास्ते पाकिस्तान भेजा जाता है। इस राशि का उपयोग पाकिस्तान में उनके गुर्गों द्वारा अवैध हथियार की खरीद और अन्य अवैध कार्यों में किया जाता है। जो एक संगठित अंतर्राष्ट्रीय अपराध नेटवर्क की ओर इशारा करता है।

ब्रीफ न्यूज

घाटशिला उपचुनावः स्कॉर्पियो पर चढ़कर प्रचार करने पर जयराम महतो को शोकॉज नोटिस जारी।

संवाददाता । रांची

घाटशिला उपचुनाव के प्रचार के दौरान डुमरी विधायक जयराम महतो को नियमों की अनदेखी करना महंगा पड़ गया. घाटशिला उपचुनाव प्रचार के दौरान एक रैली में स्कॉर्पियो वाहन के ऊपर बैठकर जनसंपर्क करते हुए उनका एक वीडियो वायरल हो गया है, जो चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन दशार्ता है।

रंगदारी मांगने वाले गिरोह को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता । रांची

रांची ।श्री राकेश रंजन (भा०पु०से०), वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के द्वारा कोयलांचल शांति सेना (ङ.र.र) के नाम पर प्रिंस खान एवं सुजीत सिन्हा के द्वारा राँची शहर के व्यवसायियों एवं कारोबारियों को फोन पर रंगदारी के लिए धमकी देने के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में लगातार दिये जा रहे निर्देशों के आलोक में पुलिस अधीक्षक, नगर, राँची के निर्देशन एवं पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची के नेतृत्व में एक छापामारी टीम गठन किया गया। गठित छापामारी टीम के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर पार चुट्ट ओवर ब्रिज के नीचे एक काला रंग का साफारी कार पंजीयन सं0 - खल्र01ऋ8049 में बैठे चार अपराधियों 1. इनामुल हक उर्फ बबलु खान, पिता झ ऐनुल हक, पता -सा० - चांदनी चौक, थाना कांके, जिला राँची, 2. रवि आनंद उर्फ सिंघा, पे० पप्पु आनंद, सा० विद्यानगर, थाना - पंडरा, जिला राँची, 3. मो० शाहिद उर्फ अफरीदी खान, पे० इज्जत अंसारी, सा० चंदवे, बस्ती कांके रोड, थाना - कांके, जिला राँची स्थायी पता सा० घुनसूली बस्ती, थाना- कर्रा, जिला- खुंटी एवं 4. मो० सेराज उर्फ मदन, पे० मो० मुस्लिम, सा० चंदवे बस्ती, कांके रोड, थाना कांके, जिला- राँची को पकड़ा गया, पकड़ाये व्यक्ति एवं सफारी कार की तलाशी लेने पर 1. तीन लोडेड पिस्टल, 2. 7 मैगजीन, 3. 7.65 टट का 13 (तेरह) जिंदा गोली बरामद हुआ। गहराई से पूछताछ करने पर गिरफ्तार व्यक्तियों के द्वारा बताया गया कि सुजीत सिन्हा तथा प्रिंस खान के द्वारा उक्त हथियार एवं गोली को पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते आता है, उक्त हथियार से राँची सहित देश के विभिन्न विभिन्न स्थानों पर बड़े बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों एवं व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी की वसूली करते हैं। राँची में इनामुल हक उर्फ बबलु खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा एवं प्रिंस खान के लिए लेवी करते हैं। इनलोगों के द्वारा वसूली गयी राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुँचाया जाता है जिसे प्रिंस खान द्वारा यू०ए०ई० के रास्ते पाकिस्तान भेजा जाता है जिसका उपयोग अवैध हथियार की खरीदारी एवं अन्य अवैध कार्य में पाकिस्तान में उनके गुर्गों के द्वारा किया जाता है। इस संबंध में सदर थाना (बी०आई०टी० मेसरा ओ०पी०) काण्ड संख्या 512/2025, दिनांक- 22.10.2025, धारा 111(3)/111 (4)/61 (2) भारतीय न्याय संहिता, 25(1-अ)/25(1-इ)/25(6)/25(7)/26/35 आर्म्स एक्ट एवं 17/18/18(इ)/20/21 व.अ(ढ) अ्३. दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि डोरंडा थाना अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग के लिए हथियार इन लोगों के द्वारा ही दिया गया था।

रांची नगर निगम द्वारा घाटों की सतत सफाई हेतु एमफीबियस एक्सकेवेटर से विशेष अभियान जारी

संवाददाता । रांची

रांची ।लोक आस्था के महापर्व छठ को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम द्वारा सभी प्रमुख घाटों की सफाई कार्य को युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। घाटों की गहराई बढ़ाने, जलकुंभी एवं जल-जनित कचरे को हटाने हेतु एमफीबियस एक्सकेवेटर(पोकलेन) मशीन की सहायता से लगातार सफाई कार्य किया जा रहा है।? ?प्रशासक श्री सुशांत गौरव के निर्देशानुसार निगम के अभियंता दल एवं सफाई कर्मियों की टीम घाटों की निरंतर निगरानी कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।? ?एमफीबियस एक्सकेवेटर की विशेषता यह है कि यह मशीन जल एवं स्थल दोनों पर कार्य कर सकती है, जिसके माध्यम से तालाबों की गाद निकालना, जलकुंभी हटाना तथा घाटों की सफाई तेजी और कुशलता से की जा रही है।? ?रांची के कांके डैम (स्थित सभी घाटों में) पर मशीन द्वारा सफाई कार्य निरंतर जारी है। नगर निगम का लक्ष्य है कि सभी घाट स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुंदर रूप में तैयार रहें ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्वक स्नान और अर्घ्य अर्पण कर सकें।?? रांची नगर निगम सभी सम्मानित नागरिकों से भी अपील करता है कि वे घाटों पर प्लास्टिक या पूजन सामग्री का उपयोग न करें और स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

कल से चार दिनों तक मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में 24 अक्टूबर से चार दिनों तक हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के जिन इलाकों में बारिश होने की आशंका है इनमें दक्षिणी जिले (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम सिमडेगा और सरायकेला खरसावां) और इसके निकटवर्ती मध्य भाग शामिल हैं। इसके बाद 25 से लेकर 27 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की आशंका व्यक्त की गई है। हालांकि झारखंड के ऊपर किसी भी प्रकार का निम्न दबाव का क्षेत्र या अन्य किसी प्रकार का सिस्टम नहीं बना हुआ है। हालांकि दक्षिणी अंडमान सागर में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है जो आगे की ओर बढ़ रहा है।

छठ पर्व को लेकर रांची के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण
मंजूनाथ भजन्त्री ने वरीय पुलिस अधीक्षक, राकेश रंजन के साथ किया निरीक्षण

संवाददाता । रांची

आगामी छठ पर्व को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आज जिला प्रशासन की पूरी टीम के साथ शहर के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों पर सफाई व्यवस्था, सुरक्षा, प्रकाश, पेयजल, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन आदि की विस्तृत समीक्षा की।प्रमुख घाटों का किया गया निरीक्षण

प्रशासनिक टीम ने कांके डैम, हटनिया तालाब, चडरी तालाब, बड़ा तालाब (रांची झील) और धुर्वा डैम जैसे प्रमुख छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखने पर बल दिया।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिया कि सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस बल, रऊम्रएवं ठऊम्र की टीमें तैनात रहें। उन्होंने घाटों पर सुरक्षा बैरिकेडिंग, गोताखोरों की मौजूदगी और कंट्रोल रूम की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा।

केवल सुरक्षित गहराई तक ही जल में प्रवेश करें श्रद्धालु - उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री मंजूनाथ भजन्त्री श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने अपील की है कि श्रद्धालु केवल सुरक्षित गहराई तक ही जल में प्रवेश करें। उन्होंने कहा है कि प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं, परंतु सतर्कता और संयम भी उतने ही आवश्यक हैं।

बड़ा तालाब छठ पूजा समिति राँची के संग्रक्षक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने बड़ा तालाब राँची का निरीक्षण करने आये उपायुक्त राँची श्री मंजूनाथ भजंत्री , एसएसपी राँची ,एडीएम लॉ एंड आर्डर राँची श्री राजेश्वर नाथ आलोक , एसडीम राँची श्री उत्कर्ष कुमार एवं नगर निगम प्रशासन को छठ पर्व को देखते हुए हों बड़ा तालाब राँची में होने वाली समस्याओं से अवगत कराया । श्री राजीव रंजन मिश्रा ने राँची झील एवं उसके आसपास सफाई , बिजली , ट्रैफिक व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था ठीक करने की मांग की एवं छठ पर्व में हो रहे अन्य परेशानियो की जानकारी दी।श्री मिश्रा ने राँची झील के आसपास झूल रहे बिजली के तार , एवं झील के आसपास बैरिकेटिंग करने की मांग की ।

जमीयत उलेमा दक्षिण अफ्रीका के कार्यालय में स्वागत समारोह जमीयत उलेमा हिंद के महासचिव का स्वागत समारोह

संवाददाता । रांची

जमीयत उलेमा हिंद के महासचिव हजरत मौलाना मुहम्मद हकीमुद्दीन कासमी वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर हैं। अपनी यात्रा के दौरान, आज उन्होंने जमीयत उलेमा दक्षिण अफ्रीका के कार्यालय का दौरा किया, जहाँ संस्था के अध्यक्ष हजरत मौलाना हैदर साहब, महासचिव हजरत मौलाना इब्राहिम भाम साहब, हजरत मौलाना मुहम्मद खालिद बयाज़िद साहब और अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बैठक अत्यंत सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर, दोनों संस्थाओं के बीच धार्मिक, शैक्षिक, सुधारात्मक और सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में चल रही गतिविधियों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

हजरत मौलाना सईद अहमद साहब ने अंग्रेजी में और हजरत मौलाना हकीमुद्दीन कासमी साहब ने उर्दू में भाषण दिया। सामाजिक सुधार, धार्मिक जागरूकता और हृदय परिवर्तन पर चर्चा दोनों पक्षों का मुख्य विषय रही।

अस्पताल निर्माण में भारी अनियमितता बरतने का आरोप
राख की ढेर पर बन रहा खलारी अस्पताल

संवाददाता । रांची

पिपरवार : खलारी प्रखंड में निमार्णाधीन 50 बेड वाले अस्पताल के निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरते जाने के आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, जिस भूमि पर यह अस्पताल बनाया जा रहा है, वह वर्षों पहले एसीसी सीमेंट फैक्ट्री से निकाली गई डस्ट (राख) से भरी हुई थी। संवेदक द्वारा इसी राख पर भवन की नींव डालकर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे इसकी मजबूती और दीर्घकालिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह अस्पताल सरकारी योजना के तहत लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। यह 50 बेड वाला सीएचसी अस्पताल है, जो सुविधाओं की दृष्टि से रांची स्थित सदर अस्पताल के बाद दूसरा बड़ा सरकारी स्वास्थ्य केंद्र माना जा रहा है। यहां ब्लड बैंक, अल्ट्रासाउंड, डायलिसिस जैसी कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह अस्पताल खलारी क्षेत्र के गरीबों के लिए एक वरदान साबित हो सकता है, बशर्ते इसका निर्माण मानक के अनुरूप हो। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल से वर्षों पुरानी राख कोकेवल आंशिक रूप से हटाया गया है। बताया गया कि केवल तीन से चार फीट मिट्टी की खुदाई कर नींव डाली गई, जबकि नीचे की पूरी सतह राख से भरी हुई है। मिट्टी की जगह उसी डस्ट को भरकर निर्माण जारी है। विशेषज्ञों के अनुसार, राख पर नींव डालना बेहद खतरनाक है क्योंकि समय के साथ यह जमीन को कमजोर कर देती है, जिससे भवन धंसने का खतरा बढ़ जाता है। खलारी कोयलांचल क्षेत्र होने के कारण यहां खदानों में नियमित रूप से ब्लास्टिंग होती रहती है। ब्लास्टिंग से आसपास के घरों में दरारें पड़ना आम बात है। ऐसे में राख पर टिका यह अस्पताल भविष्य में गंभीर खतरे का कारण बन सकता है। निरीक्षण के दौरान मौजूद एक व्यक्ति ने बताया कि नींव की खुदाई करीब 9 से 10 फीट तक की गई थी, लेकिन सिर्फ 3 से 4 फीट हिस्से में ही मिट्टी मिली। बाकी हिस्सा राख का था। वहीं, खुद को इंजीनियर बताने वाले व्यक्ति ने शुरू में मीडिया कर्मियों से नाराजगी जताई और फोटो लेने पर आपत्ति की। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि कहीं 8 तो कहीं 9 फीट तक पिलर मिट्टी में हैं और ऊपर जो भरा गया है, वह मिट्टी ही है, राख नहीं। वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने राजनीतिक संरक्षण का हवाला देते हुए कहा – आपके लिखने से क्या होगा, जो करना है कर लीजिए। यह बयान खुद इस बात की ओर इशारा करता है कि निर्माण कार्य में शामिल लोग।

कुख्यात राहुल सिंह के पांच गुर्गे चढ़े पुलिस के हत्थे, रेलवे साइडिंग पर करने वाले थे गोलीबारी

- यदि सेवा का दीप जलाया जाए, तो हर जीवन आलोकित हो सकता है

संवाददाता । रांची

लातेहार : लातेहार पुलिस ने कुख्यात राहुल सिंह को तगड़ा झटका दिया है। पुलिस ने उसके गैंग के पांच एक्टिव गुर्गों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार बदमाशों के नाम विश्वनाथ उरांव, संदीप यादव, फुलचन्द खलखो, तुलसी मुंडा और तनवीर अंसारी बताये गये। इन लोगों की उम्र 19 साल से 33 साल के बीच है। इनमें से संदीप यादव गुमला का रहने वाला है। वहीं, बाकी के चार लोग रांची के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। पुलिस ने राहुल सिंह के गुर्गों के पास से दो देशी पिस्तौल, पांच गोलियां और पांच मोबाइल फोन जब्त किये हैं। सभी मिलकर टोरी स्टेशन पर चल रहे कोयला लोडिंग में लगे लोगों पर फायरिंग करने की प्लानिंग कर रहे थे। इन लोगों का मकसद दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलना था। इस बात का खुलासा लातेहार के पुलिस कप्तान कुमार गौरव ने किया है ।एसपी कुमार गौरव ने मीडिया को बताया कि बीते मंगलवार को उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात राहुल सिंह ने अपने कुछ गुर्गों को टोरी रेलवे साइडिंग पर गोलीबारी करने का हुक्म दिया है। कुछ गुर्गे हथियार के साथ चंदवा के परसही डगडगी पुल के पास बैठे हैं और वे टोरी स्टेशन पर रंजीत गुप्ता के कोयला लोडिंग काम में लोगों पर हमला करने की तैयारी में हैं। मिली इंफॉर्मेशन पर रउ्रढ अरविंद कुमार की देखरेख में रक्ळ का गठन किया। गठित रक्ळ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए परसही डगडगी पुल के पास रेड मारी और पांच अपराधियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार बदमाशों के नाम विश्वनाथ उरांव, संदीप यादव, फुलचन्द खलखो, तुलसी मुंडा और तनवीर अंसारी बताये गये। इन लोगों की उम्र 19 साल से 33 साल के बीच है। इनमें से संदीप यादव गुमला का रहने वाला है। वहीं, बाकी के चार लोग रांची के अलग-अलग इलाके में रहते हैं। पुलिस ने राहुल सिंह के गुर्गों के पास से दो देशी पिस्तौल, पांच गोलियां और पांच मोबाइल फोन जब्त किये हैं।

आईआईसीएम श्रमिक संघ की बैठक में प्रबंधन के रवैये पर गहरा आक्रोश, अजय राय ने कहा—कर्मियों के साथ हो रहा अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

संवाददाता । रांची

रांची। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट (आईआईसीएम) श्रमिक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ के अध्यक्ष श्री अजय राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संस्थान के कर्मचारियों से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। विशेष रूप से पिछले दिनों प्रबंधन द्वारा किए गए दो महीने के शॉर्ट टेंडर का मामला बैठक का प्रमुख विषय रहा, जिसके तहत काम तो कर्मचारियों से लिया गया, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया है। इस मुद्दे पर उपस्थित सभी सदस्यों ने तीव्र असंतोष प्रकट किया और इसे कर्मचारियों के साथ सरासर अन्याय बताया ।बैठक में यह भी बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आईआईसीएम प्रबंधन ने अब तक कर्मियों के रेगुलराइजेशन (स्थायीकरण) की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यह स्थिति न केवल न्यायिक आदेशों की अवहेलना है, बल्कि इससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष और असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है ।संघ के अध्यक्ष अजय राय ने इस अवसर पर कहा कि ह्लआईआईसीएम प्रबंधन का रवैया पूरी तरह तुगलकशाही और मनमाना होता जा रहा है।

रेगुलराइजेशन तो दूर, अभी तक कर्मचारियों को उनका कोल वेज (उङ्ग हौ) तक नहीं दिया गया है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है ।ह्व उन्होंने आगे कहा कि ह्लसंस्थान के कर्मियों ने हमेशा पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम किया है, लेकिन प्रबंधन उनकी मेहनत और अधिकारों की अनदेखी कर रहा है। अगर जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया तो संघ व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा ।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि अगर जल्द ही बकाया भुगतान, कोल वेज और रेगुलराइजेशन की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई, तो संघ इस मामले को उच्च स्तर तक ले जाएगा और आवश्यक होने पर श्रम विभाग एवं न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा ।संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारियों का शोषण अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा गया कि वे तुरंत कर्मियों के हित में ठोस पहल करें, अन्यथा संघ चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा ।बैठक में कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि आईआईसीएम के श्रमिकों के हक की लड़ाई को अंतिम परिणाम तक पहुंचाया जाएगा ।इस बैठक के माध्यम से आईआईसीएम श्रमिक संघ ने एक बार फिर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अपने सदस्यों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार है।

नीमडीह में अवैध संबंध को लेकर पिता ने दो बेटों पर किया जानलेवा हमला, रिम्स में चल रहा इलाज

जमशेदपुर, संवाददाता

सरायकेला-खरसावां जिला के नीमडीह थाना अन्तर्गत फाड़ेंगा गांव में मंगलवार को अवैध संबंध के चलते पत्नी के साथ मारपीट कर रहे हिकिम महतो ने बीच-बचाव करने आए अपने दोनों बेटों पर भुजाली से जानलेवा हमला कर दिया। जिसके बाद दोनों को इलाज के लिए जमशेदपुर के मानगो डिमना स्थित एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में बताया जा रहा है कि हिकिम महतो का अपनी पत्नी के अलावा किसी दूसरी महिला के साथ भी संबंध था। जिस कारण घर में अक्सर विवाद होता रहता था। वहीं मंगलवार विवाद बढ़ने पर जब हिकिम महतो अपनी पत्नी से मारपीट करने लगा तो उसके बेटे राहुल महतो और रोहित महतो मां को बचाने के लिए बीच-बचाव करने लगे। जिसके बाद गुस्से में आकर पिता ने दोनों बेटों पर ही भुजाली से वार कर दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसपर दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दोनों को रांची के रिम्स सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां दोनों इलाजरत है। मामले में परिजनों ने बताया कि दोनों बेटों की हालत नाजुक बनी हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

झामुमो प्रत्याशी के समर्थन में विधायक संजीव सरदार ने चलाया जनसंपर्क अभियान

उत्तरी इचरा में मिला जबरदस्त जनसमर्थन, कहा अबुआ सरकार के विकास कार्यों से जनता में विश्वास मजबूत हुआ

जमशेदपुर, संवाददाता

आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर बुधवार पोटका विधायक संजीव सरदार पूरे दिन क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान में जुटे रहे। इस दौरान उन्होंने महान आंदोलनकारी एवं पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. रामदास सोरेन के सुपुत्र सह झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में लोगों से मुलाकात की। साथ ही पार्टी की नीतियों एवं सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने उत्तरी इचरा, बड़शोल, महुलडूबा, गंगाडीह समेत कई गांवों का भ्रमण कर स्थानीय ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि झामुमो सरकार के नेतृत्व में राज्य में हर वर्ग के उत्थान के लिए ठोस कार्य हुए हैं।

उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, फसल राहत योजना, ग्राम सड़क योजना और आदिवासी छात्रवृत्ति योजना जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में विकास की नई राह तैयार हुई है और अबुआ सरकार ने लोगों के विश्वास को मजबूत किया है। वहीं जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों ने विधायक संजीव सरदार के विकास कार्यों की सराहना करते हुए आगामी चुनाव में झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन को विजयी बनाने का भरोसा भी जताया। ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं के लिए जो कार्य हुए हैं, वे जनविश्वास के प्रतीक हैं। मौके पर पूर्व जिला परिषद बाघराय मार्डी, मुखिया मंजीत सिंह, रूपक मंडल, सुभाष सिंह, तुलसी भकत के अलावा ग्राम विकास समिति इचरा के सदस्य समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद थे।

चंदवा में छठ व्रतियों के लिए नि: शुल्क केले का वितरण

लातेहार, संवाददाता

छठ महापर्व के अवसर पर प्रखंड के चर्चित व्यवसाई शहर के इंदिरा गांधी चौक स्थित अजय किराना के मालिक ने सभी व्रतियों को बिना शुल्क केले का वितरण किया जायेगा, इसको लेकर आयोजक अंकित कुमार ,गोलू ने कहा कि छठ मइया की आराधना में व्रतधारियों की सुविधा के लिए दुकान की ओर से निःशुल्क केले का कांधी वितरण किया जाएगा, इसके लिए किसी को असुविधा न हो और सभी व्रतियों को केले का कांधी मिल सके इसके लिए कूपन तैयार किए गए हैं ,केले का वितरण 26 अक्टूबर 2025, दिन रविवार, सुबह 10 बजे से चंदवा मेन रोड स्थित भाजपा के महेंद्र साहू के कॉम्प्लेक्स मेंआरंभ होगा, जिसका उद्देश्य छठ पर्व की पावन परंपरा को और सशक्त बनाना तथा समाज में सहयोग और श्रद्धा की भावना को बढ़ावा देना है ,उन्होंने कहा कि छठ व्रती हमारे समाज की शक्ति हैं, जो अपने परिवार और समाज की मंगल कामना के लिए कठिन व्रत रखते हैं। ऐसे में यह पहल उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है।कूपन पहले ही व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच वितरित किए जा चुके हैं, गोलू ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित समय पर पहुंचकर सुव्यवस्थित तरीके से केले का कांधी प्राप्त करें।

इनर व्हील क्लब ने गरीबों के बीच बांटा भोजन पोषक एवं फल

रामगढ़, संवाददाता

इनरव्हील क्लब रामगढ़ ने समाज सेवा की दिशा में एक और सराहनीय कदम उठाते हुए आज ओंकार मिशन अनाथालय में जरूरतमंदों एवं वंचित वर्ग के लोगों के बीच एक समय का भोजन वितरण किया। जिसका उद्देश्य समाज के गरीब,असहाय,मजदूर वर्ग और अनाथालय के बच्चों को नियमित रूप से पोषक भोजन उपलब्ध कराना है।इनरव्हील क्लब हमेशा समाज सेवा और मानवता की भावना को सर्वोपरि मानता है। यह कार्य क्लब की निरंतर चलने वाली सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। क्लब की अध्यक्षा नमिता श्राफ ने बताया कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है।इनरव्हील क्लब रामगढ़ सदैव समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाने में अग्रणी रहा है'इस प्रकल्प के माध्यम से हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और हर माह क्लब द्वारा जरूरतमंदों को एक समय का भोजन वितरित करता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इनर व्हील क्लब रामगढ़ यह अभियान क्लब की निरंतर चलने वाली सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा।कार्यक्रम के सफल संचालन में क्लब की सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। उन्होंने यह संकल्प लिया कि इसी भावना और समर्पण के साथ आगे भी ऐसे सेवा कार्य नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। इस मौके पर अनुराधा श्रॉफ,मनबीर कौर और राजिंदर बुधवाल उपस्थित थे।

कराटे कोच कंचन दास को भदानीनगर ओपी प्रभारी अख्तर अली ने किया सम्मानित

कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर चुके हैं कंचन दास

रामगढ़, संवाददाता

मार्शल आर्ट सितोरियो कराटे डो फेडरेशन भुरकुंडा शाखा के कराटे कोच सेंसाई कंचन दास की उपलब्धियों से प्रभावित होकर भदानीनगर ओपी प्रभारी अख्तर अली ने बुधवार को ओपी परिसर में उन्हें प्रमाण-पत्र और गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ओपी प्रभारी ने कंचन दास के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि उनके द्वारा लड़कियों को आत्मरक्षा हेतु निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण देना अत्यंत सराहनीय कार्य है। अख्तर अली ने कहा कि कंचन दास देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी मेडल जीतकर क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर चुके हैं। खेल के क्षेत्र में उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए मैं हमेशा तैयार हूं। उन्होंने बताया कि कंचन दास हाल ही में रांची में आयोजित योग प्रतियोगिता (सीनियर ग्रुप 45-50 वर्ष) में गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का सम्मान बढ़ाया है। इसके अलावा उन्होंने और उनके कराटेकार छात्र-छात्राओं ने नेपाल के काठमांडू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया, जिससे भारत का गौरव बढ़ा। कंचन दास की हाल की प्रमुख उपलब्धियों में 15 से 16 अक्टूबर तक फुसरो के करगली फुटबॉल मैदान में आयोजित सीनियर ब्लैक बेल्ट कराटे ग्रेडिंग परीक्षा में उन्हें ब्लैक बेल्ट चतुर्थ डॉन (फोर डॉन) का प्रमाण पत्र शामिल है। इधर सेंसाई कंचन दास ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु सिहोन जी.बी. थापा को दिया। उन्होंने बताया कि उनकी एक शिष्या आस्था सिंह, जो तृतीय डॉन कराटेकार हैं, वर्तमान में महिला कराटे प्रशिक्षिका के रूप में लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे रही हैं। कोच कंचन दास न सिर्फ एक उत्कृष्ट कराटे खिलाड़ी हैं, बल्कि समाज में आत्मरक्षा और अनुशासन की भावना जागृत करने वाले प्रेरणास्रोत भी बन चुके हैं।

रोटरी सहेली सेंटर का फिता काट कर किया गया उद्घाटन

रामगढ़, संवाददाता

रोटरी रामगढ़ सिटी द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भरता अभियान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कोयरी टोला, रामगढ़ में दूसरा रोटरी सहेली सेंटर प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर क्लब की ओर से तीन निःशुल्क सिलाई मशीनें सेंटर की संचालिका स्थानीय महिला सोनी देवी (निवासीः कोयरी टोला, रामगढ़) को प्रदान की गईं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए जी धीरज सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी क्लब रामगढ़ सिटी का यह प्रयास समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि महिलाओं शशक्त बनाने के लिए आगे भी हम लोग और भी रोटरी सहेली सेंटर खोलते रहेंगेइस परियोजना का सफल संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन रूपेश गुप्ता एवं प्रियंका अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। इस रोटरी सहेली सेंटर का संचालन को देख रेख करने का जिम्मेवारी इन्ही दोनों को दिया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्लब की ओर से उमेश राजगड़िया, प्रकाश अग्रवाल, दीपक खंडेलवाल, विनीता गुप्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सचिव रोहित कुमार पंसारी ने किया। सभी उपस्थित महिलाओं तथा सेंटर की संचालिका सोनी देवी ने रोटरी क्लब रामगढ़ सिटी की इस पहल की सराहना की और इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

प्लास्टिक बैग का उपयोग बंद करें व्यापारी

रामगढ़, संवाददाता

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी के नेतृत्व में रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार, लोहार टोला के व्यापारियों के बीच स्टीकर वितरित कर अपने प्रतिष्ठान में प्लास्टिक बैग का पूर्णता उपयोग बंद करने का अनुरोध किया गया ' इस मौके पर चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी एवं सह सचिव इंद्रपाल सिंह सैनी ने संयुक्त रूप से व्यापारियों से आवाहन किया कि व्यापारी शतः प्रतिशत अपने प्रतिष्ठानों में प्लास्टिक बैग का उपयोग करना बंद करें'सरकार द्वारा भी इसके उपयोग पर पूर्णता बंदिश लगाई गई है'

फिर भी व्यापारी द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है' जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है'साथ ही पशु वगैरह को भी जानमाल का नुकसान होता है' चेंबर अध्यक्ष ने बताया कि प्लास्टिक बैग के विकल्प के रूप में बाजार में कपड़े का,जूट का आदि बहुत ही किफायती दाम में बैग उपलब्ध है'जिनका उपयोग व्यापारियों को करना चाहिए जिला प्रशासन द्वारा भी इस संबंध में चैंबर से अनुरोध किया गया था कि वह व्यापारियों के बीच प्लास्टिक बैग उपयोग नहीं करने के संबंध में जागरूकता अभियान चलाए कि व्यापारी अपने प्रतिष्ठान में प्लास्टिक बैग का उपयोग करना पूर्ण रूप बंद करें'जिसके आलोक में आज चेंबर के सदस्य गण दुकानो में घूम कर दुकानों पर स्टिकर लगाकर व्यापारियों से अनुरोध किया कि अपने दुकान में प्लास्टिक बैग का पूर्णत बंद करे ' इस अवसर पर चेंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता),कोषाध्यक्ष दिनेश पोद्दार,बालकृष्ण जालान, इंद्रपाल सिंह सैनी, महेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्य की अनुपस्थिति थे।

ड्राइवर ने फांसी लगाकर की आत्महत्यं

रामगढ़, संवाददाता

भेल के अंतर्गत कार्यरत आरबीपीआर कंपनी के ड्राइवर सत्यदेव ने पतरातु स्थित किराए के मकान के रूम में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ललपनिया निवासी ड्राइवर सत्यदेव शादीशुदा नहीं है।वह पीवीयूएनएल के भेल के अंतर्गत आरबीपीआर कंपनी काम कर रहा था। परिजनों का कहना है कि उसे कोई टेंशन नहीं था। पतरातु पुलिस के पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है। यहां पर पहुंचे कुछ परिजनों द्वारा कहना है कि प्रेम प्रसंग के मामला को लेकर फांसी लगाकर आत्महत्या की है। वही आत्महत्या करने से पहले सत्यदेव ने खिड़की ,रूम सब अंदर से लॉक कर दिया था पुलिस जब पहुंची' तब दरवाजा तोड़कर बॉडी को दिखे गया है और उसके शरीर के सामने मोबाइल, और सिगरेट पड़ा हुआ है। मृतक सत्यदेव ललपनिया का रहने वाला है।

बीएसएल ठेका कर्मियों की छंटनी बंद करें प्रबंधन : कुमार अमित

प्लांट में दुर्घटनाओं पर रोक लगाने सहित कर्मचारियों के अन्य माँगों को लेकर इडी वर्क्स के साथ बैठक

बोकारो, संवाददाता

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने बोकारो स्टील प्लांट के नामित निदेशक प्रभारी सह अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रियरंजन से मिलकर कर्मचारियों के विभिन्न माँगों से अवगत कराया। कुमार अमित ने प्रियरंजन को ज्ञापन देकर आगामी दिनों में प्लांट के 6000 ठेका कर्मचारियों की होने वाली छँटनी को बंद करने की माँग की। अमित ने कहा कि प्रबंधन के इस नीति से इन 6000 कर्मचारी बेरोजगार हो जाएगें और इन परिवारों के समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो जाएगा। मौन पावर कम होने से कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ेगा एवं दुर्घटनाओं में और तेजी आएगी। कुमार अमित ने प्लांट में आए दिन हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करने हुए इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी बात कही। भाजपा नेता ने कहा कि प्लांट के सेफ़्टी ऑडिट और मेंटेनेंस में हो रही कोताही के कारण लगातार ये दुर्घटनाएं हो रही है। प्रबंधन से प्लांट में विगत एक वर्षों के दौरान हुए दुर्घटनाओं की स्वतंत्र एजेंसी से जाँच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अलावे कुमार अमित ने प्रभारी निदेशक से ठेका कर्मचारियों से ठेकेदारों के द्वारा वसूली जा रही कट मनी को समाप्त करने के लिए बनायी गयी कमिटी के द्वारा प्राप्त मामलों एवं उसपर की गई कार्रवाई की मासिक समीक्षा कर उसे सार्वजनिक करने, प्लांट के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण हेतु गंभीर प्रयास करने, प्लांट के जर्जर सड़कों की मरम्मत करने, विभिन्न विभागों में जारी अनियमितताओं पर कार्रवाई करने आदि की माँग की। अधिशासी निदेशक ने इन विषयों पर सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए हुए बीएसएल प्रबंधन को सहयोग करने की अपील भी की। इस बैठक में धनन्जय चौबे, करण गोराई, चन्द्रप्रकाश, जन्मजय गोस्वामी, राहुल सिंह, लालबाबू एवं नितेश चौधरी आदि भी उपस्थित थे।

चंदनकियारी में पीएम श्री उच्च विद्यालय, कोरिया में विज्ञान प्रयोगशाला कक्षों का शिलान्यास

बोकारो, संवाददाता

बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय, कोरिया में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा स्वीकृत विज्ञान प्रयोगशाला कक्षों के निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक उमाकांत रजक ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और क्षेत्र के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि क्षेत्र के विकास की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं और शिक्षा उनका प्रथम प्राथमिकता क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि इस निर्माण कार्य से विद्यार्थियों को विज्ञान विषय की प्रयोगात्मक शिक्षा में बेहतर सुविधा और सशक्त शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। सरकार की यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने का एक सराहनीय कदम है।

बोकारो इस्पात संयंत्र की पहल : स्थानीय युवाओं को नि:शुल्क कोचिंग से सशक्त बना रहा बीएसएल

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) अपने परिधीय क्षेत्रों के स्थानीय एवं विस्थापित समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत महेन्द्रा एजुकेशन प्रा. लि. के सहयोग से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत बोकारो एवं आसपास के क्षेत्रों के 300 युवाओं को बैंक, एसएससी, रेलवे सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं तथा प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में रोजगार प्राप्ति हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है। अब तक इस कार्यक्रम के तहत तीन बैचों का संचालन प्रारंभ हो चुका है, जिनमें परिधीय क्षेत्रों के कुल 100 विद्यार्थी शामिल हैं। इनमें 24 महिला अभ्यर्थियों की सहभागिता इस पहल को और भी सशक्त बना रही है। आगामी दिनों में और भी नए बैच प्रारंभ किए जाने की योजना है। यह कोचिंग पूरी तरह निःशुल्क है, जिसमें छह माह की अवधि में पाठ्यक्रम पूरा कराया जाता है। सप्ताह में छह दिन ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। छात्रों को निःशुल्क अध्ययन सामग्री, वाई-फाई सुविधा से युक्त आधुनिक अध्ययन कक्ष, नियमित मॉक टेस्ट एवं मेंटॉरशिप सपोर्ट जैसी सभी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीएसएल की यह पहल विस्थापित युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है, जो उन्हें जीवन में स्थिरता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में अग्रसर कर रही है। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से परिधीय क्षेत्रों के युवा प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। यह पहल उन युवाओं के लिए आशा की नई किरण है, जो अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनने के लिए प्रयासरत हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र सदैव अपने आसपास के समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहा है, और यह कार्यक्रम उसकी सामाजिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। नामांकन से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं अन्य विवरण हेतु इच्छुक विद्यार्थी बीएसएल के सीएसआर विभाग अथवा महेन्द्रा एजुकेशन प्रा. लि. की स्थानीय शाखा से संपर्क कर सकते हैं।

तेनुघाट में श्री श्री चित्रगुप्त पूजा की तैयारी पूरी, आज होगा आयोजन

बोकारो, संवाददाता

श्री श्री चित्रगुप्त पूजा समिति आई टाइप एवं चित्रगुप्त महापरिवार छोटा चौक द्वारा तेनुघाट में चित्रगुप्त पूजा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह पूजा आगामी 23 अक्टूबर को बड़े ही श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। उक्त जानकारी समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि पूजा कार्यक्रम में स्थानीय चित्रांश परिवार के सभी सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होंगे। पूजा के उपरांत शाम में सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन किया जाएगा, साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर रेखा सिन्हा, मोहन प्रसाद श्रीवास्तव, हरिशंकर प्रसाद, अरुण कुमार सिन्हा, नंदकिशोर प्रसाद, नरेश प्रसाद श्रीवास्तव, विजय कुमार बबन, वीरेंद्र कुमार सिन्हा, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल कुमार लाल, पंकज कुमार सिन्हा, अजय कुमार अंबष्ट सहित तेनुघाट के सभी चित्रांश परिवारजन उपस्थित रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दो युवक आपस में भिड़े, चौराहे पर हाथापाई-जमकर हुई मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में बर्रा थाना क्षेत्र के शास्त्री चौक चौराहे पर देर रात दो युवकों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, देर रात शास्त्री चौक चौराहे पर किसी बात को लेकर दो युवक आपस में भिड़ गए और उनके बीच हाथापाई हुई। वायरल वीडियो में दोनों युवक एक-दूसरे को मारते-पीटते दिख रहे हैं, जिससे चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है और मामले की जांच कर रही है।

पार्क की चाबी को लेकर दो पक्षों में पथराव, महिला समेत दो घायल

आगरा। आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के फेस वन सी ब्लॉक स्थित संजय गोला पार्क की चाबी को लेकर मंगलवार देर रात दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि बात पथराव और मारपीट तक पहुंच गई। घटना में एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। सी ब्लॉक निवासी सोनू कनौजिया ने बताया कि उनके पिता गोपाल कनौजिया ने पार्षद प्रकाश केसवानी की मदद से संजय गोला पार्क का सुंदरीकरण करवाया था। इसके बाद पार्क की चाबी सोनू कनौजिया के पास रहती थी। आरोप है कि मंगलवार रात करीब 11 बजे पड़ोसी सोनू गौतम और अजय गौतम ने गाली-गलौज करते हुए पार्क की चाबी मांगी। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट और पथराव शुरू कर दिया। पथराव के दौरान सोनू कनौजिया और उनकी मां मुन्नी देवी लहूलुहान हो गईं, जबकि पिता गोपाल कनौजिया को भी चोटें आईं। हंगामा बढ़ता देख आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि पथराव के आरोपी सोनू गौतम और अजय गौतम को हिरासत में ले लिया गया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संपत्ति विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट, नौ लोगों को हिरासत में लिया, शांतिभंग की कार्रवाई

कानपुर, एजेंसी। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर नौ लोगों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की। जाजमऊ छबीलेपुरवा निवासी ननकी पत्नी राजू व लक्ष्मी का काफी समय से संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार को बंटवारे को लेकर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। कुछ ही देर में विवाद मारपीट में तब्दील हो गया। दोनों पक्षों से कई लोग एक दूसरे पर लातघूंसे बरसाने लगे। बीचबचाव में आए इलाकाई लोग भी घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। पुलिस दोनों पक्षों से नौ लोगों को थाने लेकर आई। जाजमऊ थानाप्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मारपीट करने पर ननकी, राजू, संदीप, लक्ष्मी, बेबी, बदाला, दिव्या, रामनाथ को हिरासत में लिया गया है। दोनों पक्षों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई है।

नहर में बाइक समेत पड़े मिले दो शव, नहीं हो सकी शिनाख्त, आशंका- देर रात हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

कानपुर, एजेंसी। जालौन कोतवाली क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्राम नारायणपुरा माइनर नहर में दो युवकों के शव बाइक सहित मिले। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मंगलवार की दोपहर ग्रामीणों ने नहर में एक युवक का शव उतराता हुआ देखा। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी पुलिस बल के साथ नहर किनारे पहुंचे और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। इसी दौरान कुछ दूरी पर एक और युवक का शव दिखाई दिया, जिसे भी बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने नहर से एक बाइक भी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि सोमवार देर रात, दीपावली के अवसर पर दोनों युवक बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। नहर की गहराई अधिक होने के कारण दोनों युवक बाहर नहीं निकल सके और उनकी मौत डूबने से हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, हालांकि देर शाम तक उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक हादसे ने दीपावली के बाद पूरे इलाके में शोक और सन्नाटा फैला दिया है।

एमएलसी चुनावः राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों में होगा कड़ा मुकाबला

एक एमएलसी ऐसा जो 48 साल तक जीता

मेरठ, एजेंसी। प्रदेश में शिक्षक व स्नातक एमएलसी चुनाव प्रचार धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगा है। इस चुनाव में राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों में कड़ा मुकाबला होगा। शिक्षक संगठनों और राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित करने शुरू कर दिए हैं। सपा के शिक्षक व स्नातक सीटों के उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं तो कांग्रेस का एक प्रत्याशी सामने आ चुका है। भाजपा चुनाव से ऐन पहले ही अपने प्रत्याशी घोषित करेगी। माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट में शिक्षक सीट पर बगावत के हालात हैं।

लंबे समय तक रहा शिक्षक संगठनों का वर्चस्व

प्रदेश की शिक्षक व स्नातक एमएलसी सीटों पर लंबे समय तक शिक्षक संगठनों का दबदबा था। एमएलसी सीट का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक सीट पर माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय ओमप्रकाश शर्मा लगातार आठ बार (48 वर्ष) चुनाव जीतते रहे।

स्नातक सीट पर हेम सिंह पुंडीर चार बार एमएलसी बने। ठकुराई गुट के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उमेश त्यागी भी लगातार चार बार चुनाव लड़ चुके हैं। शिक्षक संगठनों का यह वर्चस्व वर्ष 2020 में हुए चुनाव में भाजपा ने तोड़ दिया और अधिकांश सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शर्मा व स्नातक सीट पर दिनेश गोयल ने बड़े अंतर से चुनाव जीता।

शिक्षक संगठनों से आएंगे कई उम्मीदवार

शिक्षक संघ शर्मा गुट में बगावत के हालात बने हुए हैं। अभी शिक्षक सीट पर दो प्रत्याशियों का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। शर्मा गुट की मेरठ मंडल की बैठक में मेरठ जिलाध्यक्ष गजेंद्र शर्मा को शिक्षक सीट पर प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। जबकि शर्मा गुट के ही पूर्व एमएलसी हेम सिंह पुंडीर के पुत्र सुशील पुंडीर भी खुद को प्रत्याशी मानकर शिक्षक सीट पर चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस बगावत से शर्मा गुट के कई सदस्य असमंजस में है। ठकुराई गुट भी अपने उम्मीदवारों को लेकर मंथन कर रहा है।

सपा ने गुर्जर प्रत्याशी उतार कर मचाई हलचल

सम्राट मिहिरभोज को लेकर वेस्ट यूपी में इस समय गुर्जर राजनीति गर्माई हुई है। मौके का फायदा उठाते हुए सपा ने स्नातक सीट से गुर्जर समाज से गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी को प्रत्याशी घोषित किया है। प्रमेंद्र भाटी की गिनती गुर्जर समाज के तेजतर्रार और सुलझे हुए नेताओं में होती है। इसी तरह शिक्षक सीट पर सपा ने डॉ. नितिन तोमर को चुनाव प्रचार में लगाया हुआ है।

कांग्रेस ने भी कई वर्ष से तैयारी में जुटे प्रदेश सचिव विशाल वशिष्ठ के भाई मेरठ निवासी विशाल वशिष्ठ त्यागी को स्नातक सीट पर प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। भाजपा चुनाव से ऐन पहले ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। भाजपा के दोनों वर्तमान एमएलसी ही वोट बनवाने में जुटे हैं।

गांव-गांव जाकर बनवा रहे वोट

घोषित व संभावित प्रत्याशियों ने शिक्षक व स्नातक सीटों पर वोट बनवाने का काम तेज कर दिया है। शिक्षक संगठन का कैडर तो वोट बनवाने के लिए स्कूल-कॉलेज जा ही रहा है तो राजनीतिक दलों के प्रत्याशी भी गांव-गांव में अपनी टीमें भेजकर स्नातकों के वोट बनवा रहे हैं। शिक्षकों के वोट बनवाने के लिए वित्तविहीन शिक्षण संस्थानों के संचालकों की सहायता भी ली जा रही है।

भाजपा की हर रोज चल रही बैठकें

भाजपा ने शिक्षक व स्नातक सीटों को जीतने के लिए बड़ी व्यूह रचना की है। महानगर व जिलों में संयोजक व सह संयोजक बनाने के साथ ही विधानसभा स्तर पर संयोजक तय कर दिए हैं। ये संयोजक प्रतिदिन बैठकें करके कार्यकर्ताओं से प्रगति रिपोर्ट ले रहे हैं। कांग्रेस भी इसी तर्ज पर अपने संगठन को तैयार करने में लगी है। सपा के उम्मीदवार भी वोट बनवाने में जुटे हैं। बसपा ने एमएलसी चुनाव लड़ने पर अपने पत्ते अभी नहीं खोले हैं।

सोनभद्र में दर्दनाक हादसाः घायल होकर रातभर सड़क पर पड़े रहे बाइक सवार, दो की मौत; एक की हालत गंभीर

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र के म्योरपुर- दुद्धी मार्ग पर आश्रम मोड़ के पास बीती रात अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में रिश्ते में मामा और भांजा लगने वाले दो बाइक सवारों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सीएचसी भेज दिया है। घायल को म्योरपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीरावस्था में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। म्योरपुर थाना क्षेत्र के म्योरपुर- दुद्धी मार्ग पर आश्रम मोड़ के पास मंगलवार की देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक के पेड़ से टकरा जाने के कारण रामकुमार (35) पुत्र स्वर्गीय लालू निवासी गोविंदपुर, हिमांशु (18 वर्ष) पुत्र अमरनाथ निवासी सतगढ़ईया, मनबसा, थाना दुद्धी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार तीसरा युवक सुनिल (18) पुत्र गौरीशंकर निवासी गोविंदपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों युवक बाइक पर सवार होकर आश्रम मोड़ से दुद्धी की तरफ जा रहे थे। आश्रम से कुछ दूरी पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि रामकुमार और हिमांशु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीसरा युवक सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया और रातभर वहीं पड़ा रहा। सुबह पहुंचे राहगीरों द्वारा घटना की जानकारी हुई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को म्योरपुर सीएचसी में उपचार के लिए भर्ती कराया, जबकि हादसे में मृत दोनों युवकों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है।

परिजनों के मुताबिक रामकुमार और हिमांशु आपस में रिश्ते में मामा भांजा लगते थे। घायल सुनील की सगी बुआ का लड़का हिमांशु बताया जा रहा है, जबकि रामकुमार सुनील के पिता का चचेरा भाई है। ऐसे में रात में हिमांशु को छोड़ने उसके घर मनबसा जा रहे थे, लेकिन हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद परिजन मातम में डूब गए।

पीलीभीत बस हादसाः होली के समय बेटा... दिवाली पर हुई बेटी की मौत, उजड़ गई मां जमुना की दुनिया

पीलीभीत, एजेंसी। उत्तराखंड के नानकमत्ता से दर्शन कर लौटते समय हुए बस हादसे से बरेली के चौपला में रहने वाली जमुना की दुनिया ही उजड़ गई। मौसा, मामा और अन्य रिश्तेदारों के साथ धार्मिक यात्रा पर निकली जमुना की बेटी दुर्गा की जान चली गई। रिश्तेदारों का कहना है कि जमुना के बेटे के मौत करीब छह माह पूर्व होली के आसपास हादसे में हुई थी। अब सिर्फ एक बेटी ही सहारा बची है।

बरेली के श्रद्धालुओं की बस बुधवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे अनियंत्रित होकर पीलीभीत के जहानाबाद थाना क्षेत्र में बरेली-हरिद्वार हाईवे पर पलट गई। हादसे में बस में सवार दुर्गा (18 वर्ष) की मौत हो गई। जबकि 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। बस में करीब 60 श्रद्धालु सवार थे।

हादसे की खबर सुनकर करीब 4:30 बजे जहानाबाद सीएचसी पहुंची जमुना बेटी दुर्गा का शव देख पछाड़ खाकर गिर गईं। बेसुध हालत में रिश्तेदारों ने उन्हें जैसे तैसे संभाला। मृतका दुर्गा की मौसी ने रोते बिलखते बताया कि दुर्गा का भाई भी नहीं है। करीब छह महीने पहले होली के आसपास ही उसके भाई की भी हादसे में मौत हो गई थी। पिता की मौत पूर्व में हो चुकी है।

दुर्गा की मां जमुना घरों में काम कर परिवार का भरण पोषण करती हैं। मृतका के रिश्तेदार ने बताया कि वे लोग मंगलवार को घर से निकले थे। गिरिजा देवी, हनुमान धाम और नानकमत्ता दर्शन कर वापस जा रहे थे। मृतका दुर्गा के परिवार में अब उसकी मां जमुना और छोटी बहन है। बहन भी सभी के साथ गई थी। बताया जा रहा है कि दुर्गा परिचालक सीट के पास बैठी थी। बस पलटी तो सीट के बीच फंसकर उसकी जान चली गई। हादसे में बरेली के ही नन्हे पुत्र सोहनलाल, रमेश, अर्जुन, मनोज, प्रीति, वरुण, गीता, अनीता, विशाल, दिनेश, जमुना, ऋत्विक आदि 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं।

हरिद्वार हाईवे पर बस पलटने के हादसे के बारे में श्रद्धालुओं ने बताया कि चालक ने शराब पी रखी थी। इसी वजह से हादसा हुआ।

नशा मुक्ति केंद्र में हत्याः हाथ-पैर और मुंह बांधा, कमरे में सोते रहे 12 लोग

मेरठ, एजेंसी। अम्हेड़ा गांव स्थित सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती फैमीद (42) की रविवार रात पीटकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने उसे चार दिन पहले ही नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। फैमद के हाथ-पैर और मुंह बांधते हुए सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मृतक के भाई की ओर से गंगानगर थाने में नशा मुक्ति केंद्र संचालकों शिवलोक कॉलोनी निवासी सुनील और सैनी गांव के अरविंद समेत चार के खिलाफ हत्या की धारा में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने दोनों संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य दो आरोपियों को तलाश किया जा रहा है।

भावनपुर थाना क्षेत्र के जेई नंगला निवासी फैमीद पनीर सप्लाई का काम करते थे। उनकी पत्नी शाहीन की कैंसर से एक साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद वह नशे के आदी हो गए थे। परिजनों ने बताया कि उन्हें गंगानगर थाना क्षेत्र के अम्हेड़ा गांव स्थित सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में 15 अक्टूबर को भर्ती कराया था।

भाई असर चौहान ने बताया कि नशा मुक्ति केंद्र की ओर से 20 अक्टूबर की सुबह करीब 5 बजे सूचना दी गई कि उनके भाई फैमीद की मौत हो गई है। परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया। सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है और अन्य तथ्य भी जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

फुटेज में हाथ पैर बांधते दिख रहे लोग

19 अक्टूबर की रात करीब एक बजे सीसीटीवी फुटेज में बेड पर लेटे फैमीद के चार लोग हाथ-पैर बांधते दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने मुंह पर भी कपड़ा बांध रहे हैं। कुछ देर बाद फैमीद अचेत हो गए। बेहोशी की हालत में देख उनको अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर उनको मृत घोषित कर दिया गया।

सवेरा नशा मुक्ति केंद्र में जिस कमरे में यह घटना हुई वहां पर रहने वाले 12 लोग सोते हुए दिख रहे हैं। इनमें से दाएं ओर साइड पर नीचे से तीसरे साइड पर फैमीद लेटे हुए दिख रहे हैं। उनके हाथ पैर और मुंह बंधे थे।

बेकाबू होने पर बांधे हाथ-पैर

नशा मुक्ति केंद्र संचालक सुनील और उसके साथी अरविंद का कहना है कि रात में फैमीद बेकाबू हो रहे थे। इस कारण उनके हाथ-पैर बांध दिए और चेहरे पर कपड़ा ढक दिया। कुछ देर बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनसे मारपीट नहीं की गई।

पिता की मौत के बाद अनाथ हो गए बच्चे

परिजन ने बताया कि फैमीद की पत्नी शाहीन की एक साल पहले कैंसर से मौत हो चुकी है। उनकी चार बेटी और एक बेटा है। 15 अक्टूबर को ही उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था। अब पिता की मौत के बाद उनके बच्चे अनाथ हो गए।

चौकी प्रभारी पर गंभीर आरोप लगा कर भाजपा ब्लाक प्रमुख चौकी में धरने पर बैठे, निलंबन की मांग की

बलरामपुर। बलरामपुर जिले की उतरौला तहसील के श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी महदेइयया बाजार में मंगलवार की देर रात हंगामा खड़ा हो गया। रात करीब 11 बजे क्षेत्र के शुक्लागंज बाजार से एक युवक को चौकी प्रभारी ने पकड़ा। ब्लाक प्रमुख ने कार्यकर्ता बताकर छोड़ने को कहा।

चौकी प्रभारी ने छोड़ने से मना कर दिया, इसके बाद चौकी पर पहुंचे ब्लाक प्रमुख हेमंत जायसवाल ने प्रदर्शन किया।

मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने प्रमुख से चौकी में वार्ता की लेकिन ब्लाक प्रमुख चौकी प्रभारी संतोष कुमार के निलंबन की मांग पर अड़े रहे।

शिक्षक हत्याकांड में शामिल 50 हजार के इनामी का हाफ एनकाउंटर, इस वजह से किया था मर्डर; साथी भागा

बलिया, एजेंसी। शिक्षक देवेंद्र हत्याकांड में शामिल 50 हजार का इनामिया विकास सोनकर को उभांव एसओजी व भीमपुरा पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ल ने बताया कि बीती रात उभांव थाना के मलेरा रोड में उभांव, एसओजी व भीमपुरा पुलिस संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान बाइक से दो संदिग्ध युवक आते दिखाई पड़े। टीम ने जांच के लिए उन्हें रुकने का इशारा किया। परंतु मोटरसाइकिल चालक द्वारा बिना रुके मोटरसाइकिल को पीछे घुमा कर भागने का प्रयास किया।

संयुक्त पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो मोटरसाइकिल सवार द्वारा अपने को पुलिस से घिरता देख टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश विकास सोनकर पुत्र बाबूलाल निवासी बरहज थाना बरहज देवरिया के दोनों पैरो में गोली लगी।एक अन्य बदमाश मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पूछताछ के दौरान बदमाश ने अपना नाम विकास सोनकर बताया। कहा कि साथियों के साथ 16 सितंबर को थाना क्षेत्र में दो शिक्षिका से सोने की चेन लूटी। विरोध करने पर शिक्षक देवेंद्र प्रताप यादव की गोली मारकर हत्या कर दिए थे। पकड़े गए बदमाश विकास के कब्जे से एक तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस व बाइक बरामद हुई है। पुलिस भागे हुए बदमाश की खोजबीन कर रही है।

सीएम योगी ने की गोरखनाथ मंदिर में गोवर्धन पूजा, गायों को खिलाया गुड़ चना

गोरखपुर, एजेंसी। गोवर्धन पूजा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और गौ-सेवा की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि -दीपोत्सव के पंचदिवसीय महापर्वों की श्रृंखला में आज पावन गोवर्धन पूजा है। भारत की कृषि प्रधान व्यवस्था का प्रतीक गोवर्धन पूजा का यह कार्यक्रम रहा। मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई देता हूं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में गौ और गौवंश का महत्व क्या है, गोवर्धन पूजा इस बात का प्रतीक है और दीपावली जैसे महापर्व के साथ इस आयोजन को जोड़कर इसके महत्व को और भी प्रभावी बनाया गया है।

ये मेरा सौभाग्य है कि आज सुबह मुझे गौ पूजन और गौ सेवा करने का अवसर यहां प्राप्त हुआ है। भारत की समृद्धि का आधार भारतीय गौवंश रहा है। आज भी प्रधानमंत्री की प्रेरणा से देश में गोवर्धन योजना के अंतर्गत गाय के गोबर से बायो कंपोस्ट और इथेनॉल बनाने के जो अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ हुए हैं, यह गौवंश के संवर्धन और उनके संरक्षण में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि केवल पूजन ही नहीं बल्कि उसके अनुरूप कार्ययोजना भी प्रारंभ की जा रही है। प्रदेश में 16 लाख गौवंश ऐसे हैं जिन पर हम राज्य सरकार के माध्यम से सब्सिडी दे रहे हैं। किसानों की फसलों को नुकसान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यह प्रयास शुरू किया गया है। तीन प्रकार की योजनाएं हैं।

निराश्रित गोशाला योजना, जिसमें हम सरकारी स्तर पर प्रत्येक गाय के लिए 1500 रुपये प्रति माह प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक सहभागिता योजना है, जिसमें यदि कोई किसान गोवंश संरक्षण के हमारे कार्यक्रम से जुड़ता है, तो उसे 4 गोवंश प्रदान किए जाते हैं।

परिवार सरकार से आसानी से 6000 रुपये मासिक प्राप्त कर सकता : हम उसे हर महीने प्रति गाय 1500 रुपये देते हैं, यानी अगर उसके पास चार गोवंश हैं, तो वह परिवार सरकार से आसानी से 6000 रुपये मासिक प्राप्त कर सकता है। ऐसी ही एक तीसरी योजना कुपोषित परिवारों के लिए है। कुपोषित माताओं और बच्चों वाले परिवारों को निराश्रित गोशालाओं में छोड़ी गई गायें मिलती हैं।

योजना के तहत दिए जाते हैं 1500 रुपये प्रति माह : वे गायों की सेवा भी करते हैं, गायों का दूध भी निकालते हैं, और इस योजना के तहत उन्हें 1500 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। मुझे खुशी है कि बड़ी संख्या में लोगों को इस योजना का लाभ मिला है।

किसानों को गोबर का मूल्य मिल रहा : अन्नदाता किसान समृद्धि की ओर अग्रसर हुआ है और प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से प्रदेश में क्रियान्वित गोवर्धन योजना के तहत संपीड़ित बायोगैस और इथेनॉल उत्पादन के अभिनव कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जिससे किसानों को गोबर का मूल्य मिल रहा है।

बायोटैक्नोलॉजी में अवसरों की कमी नहीं

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर है । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है ।

क्या है बायोटैक्नोलॉजी?

बायोटैक्नोलॉजी रिसर्च आधारित विज्ञान है जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीक का प्रयोग करते हुए बायोलॉजिकल सिस्टम में सुधार करना है । बायोलॉजी और टैक्नोलॉजी को मिलाकर बने इस फील्ड में बायोकैमिस्ट्री, जैनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, कैमिस्ट्री, इम्युनोलॉजी, इंजीनियरिंग, पेड़-पौधे, हैल्थ और मैडीसिन, क्रॉपिंग सिस्टम व मैनेजमैंट, मृदा-विज्ञान और संरक्षण, इकोलॉजी, बायोस्टैटिस्टिक्स, सैल बायोलॉजी, सीड टैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी आदि शामिल हैं। आज के दौर का सबसे विवादास्पद विषय है बायोटैक्नोलॉजी जिसे मुख्यतः शोध आधारित विज्ञान माना जाता है। यह एक विस्तृत फील्ड है जिसके विस्तृत दायरे ने इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प बना दिया है । इसका संबंध स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग, पर्यावरण से लेकर अनुसंधान तक है ।

योग्यता

बायोटैक्नोलॉजी में स्नातक स्तर पर आप बी.एससी., बी.ई. और बी.टैक कर सकते हैं तो पोस्ट ग्रैजुएट स्तर पर एम.एससी., एम.टैक या एम.बी.ए. के विकल्प आपके लिए मौजूद हैं । बायोटैक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए विज्ञान का अभ्यर्थी होना जरूरी होगा । बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं कृषि की जानकारी जरूरी है। आई.आई.टी. संस्थानों में 5 वर्षीय इंट्रीग्रेटेड एम.टैक कोर्स भी उपलब्ध है जो12वीं के बाद किया जा सकता है ।

विदेशों में भी अवसर

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर है । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

सम्भावनाएं

इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती है । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है । लैबोरेटरीज और रिसर्च इंस्टीच्यूट्स में बतौर साइंटिस्ट और असिस्टैंट काम कर सकते हैं । कृषि और बागवानी के संस्थानों में भी इनकी मांग है ।

क्या आप कॉमर्स लेने जा रहे हैं...

अगर आप बारहवीं में कॉमर्स लेने जा रहे हैं लेकिन आपको पता नहीं कि इसके बाद आप कौन-कौन से करियर अपना सकते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको बताएंगे कि कॉमर्स के छात्रों के लिए बेहतर करियर विकल्प क्या हैं

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकार के अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आफ इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का

उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आप इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है। 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नयी दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा।

बैंकिंग

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नयी नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षों में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है। परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध है। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते है, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिलासकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता

वाणिज्य से पढ़ाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदायी बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। केवल एक बात का ध्यान रखें कि उक्त पाठ्यक्रम रेग्युलर हो, दूरशिक्षा के अंतर्गत नहीं, अन्यथा आपको पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पायेगा, जो इस क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते है तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती है। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको वहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीढ़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

दोस्त रूस को धक्का देकर भारत मंगाएगा अमेरिका से मक्का!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर व्यापक बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक इस डील के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला 50 प्रतिशत का भारी टैक्स घटकर 15 प्रतिशत से 16 प्रतिशत रह सकता है। यह भारत के निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी राहत की बात होगी। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड डील के तहत भारत रूस से तेल का आयात धीरे-धीरे कम करने पर सहमत हो सकता है। साथ ही अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन खली का आयात बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। रूस से कच्चे तेल की खरीद और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद रहे हैं।

रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 34 प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आयात करता है। हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में गिरावट आई है जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है। भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10 प्रतिशत अमेरिका से आता है।

टैरिफ विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

चीन का विकल्प

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन का इम्पोर्ट बढ़ाया जा सकता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका चीन से मक्के के निर्यात में आई भारी गिरावट के बाद नए खरीदार तलाश रहा है। साल 2022 में जहां चीन ने अमेरिका से 5.2 अरब डॉलर का मक्का खरीदा था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 331 मिलियन डॉलर रह गया है। कुल मिलाकर अमेरिका के मक्के के निर्यात में भी 2022 में 18.57 अरब डॉलर से घटकर 2024 में 13.7 अरब डॉलर रह गया है। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले आसियान समिट के दौरान हो सकती है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्सा लेने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत इथेनॉल के आयात की अनुमति देने और रूस से तेल की खरीद कम करने पर विचार कर रहा है। इसके बदले में अमेरिका से एनर्जी ट्रेड में कुछ रियायतें मिलने की उम्मीद है।

रूसी तेल पर डिस्काउंट

सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल की सोर्सिंग डाइवर्सिफाई करने और अमेरिका की ओर रुख करने की सलाह दी जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों ने इस बारे में रूस को बता दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी तेल पर मिल रही छूट और कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। 2023 में यह 23 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था जो अक्टूबर में सिर्फ 2-2.5 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इससे मिडिल ईस्ट और अमेरिकी कच्चे तेल अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। रूसी तेल पर डिस्काउंट के कारण भारत को वित्तीय वर्ष 2025 में 3.8 अरब डॉलर की बचत हुई।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। उसके साथ भारत आमतौर पर ट्रेड सरप्लस में रहता है। वित्तीय वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का निर्यात 86.51 अरब डॉलर रहा। इससे पहले भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने यह भी बताया था कि दोनों देशों के बीच 25 प्रतिशत के रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 10 से 15 प्रतिशत के बीच लाने पर बातचीत चल रही है।

दीवाली पर शॉपिंग का नया रिकॉर्ड, सरकारी खर्च से भी भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दीवाली पर हुई शॉपिंग का नया रिकॉर्ड बन गया है। लोगों ने इस साल दीवाली पर कुल 6.05 लाख करोड़ रुपये किए, जो पिछले साल के मुकाबले 42 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा इसलिए खास है क्योंकि केंद्र सरकार का बजट 50 लाख करोड़ रुपये के

करीब है। केवल वित्त और रक्षा मंत्रालय का बजट छह लाख करोड़ से अधिक है, बाकी मंत्रालयों के बजट से दीवाली पर खर्च की गई रकम आगे निकल गई है।

पांच लाख करोड़ से अधिक के उत्पाद बिके- व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को त्योहारी सीजन पर खरीद-बिक्री की रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार इस साल दीवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री, जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी। कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं।

जीएसटी कटौती का दिखा असर- कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) कैट के मुताबिक, हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का साफ असर उपभोक्ताओं के रुझान पड़ा है। जरूरी सामान के दाम घटने से उपभोक्ता त्योहार के दौरान अधिक खर्च के लिए प्रोत्साहित हुए। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर जीएसटी की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया।

गौतम अडानी का मास्टरस्ट्रोक! इस कंपनी ने किया एफडीआई में बड़ा योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। इसने अत्याधुनिक बंदरगाह बुनियादी

ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। निवेश बोर्ड ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीडब्ल्यूआईटी, अडानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है।

क्या है डिटेल- निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, '' बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋण सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया।

छोटे पैक में ज्यादा माल लेकिन दाम वही, अगले महीने से हो जाएगा ऐसा, सरकार की मिल गई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के कामकाज के दौरान आप कहीं दूसरे शहर गए हैं। सुबह नहाना है तो बाजार से एक या दो रुपये के शैम्पू के पाउच ले आए। दफ्तर से बाहर सड़क पर चाय पीने निकले तो साथ में 5 रुपये का बिस्कुट का छोटा पैक खरीद लिए। या फिर पांच या 10 रुपये वाला नमकीन का पैक ले लिए। आप भी ऐसा करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। इन सब पैक में अब पहले के मुकाबले ज्यादा सामान होंगे। जी हां, इनका वजन बढ़ा हुआ होगा। इसके पीछे जीएसटी दर में कटौती का सरकार का फैसला शामिल है।

सरकार से मिली है हरी झंडी- दरअसल, सरकार ने बीते 22 सितंबर से जीएसटी के दरों में काफी कटौती की है। इससे छोटी पैकिंग वाले एफएमसीजी सामानों के दाम घट गए हैं। उदाहरण के लिए पहले पांच रुपये में जो ब्रह्मचय-त का पैक मिलता था, वह अब 4.45 रुपये का हो जाएगा। एक रुपये की कैंडी का दाम अब 88 पैसे रह जाएगी। इसी तरह दो रुपये का शैंपू पाउच का दाम अब 1.77 रुपये रह जाएगा। ऐसे में सामान बेचने वाले के साथ साथ आम जनता को भी दिक्कत होगी। इसलिए एफएमसीजी कंपनियों ने सरकार के अधिकारियों से मुलाकात की थी। सरकार ने कुछ बड़े एफएमसीजी कंपनियों को यह साफ कर दिया है कि वे दाम कम करने के बजाय अपने पैकेट का वजन या मात्रा बढ़ा सकते हैं। यह फैसला गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की दरें कम होने के बाद लिया गया है।

जीएसटी विभाग की हरी झंडी- हमारे सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों ने एफएमसीजी कंपनियों के साथ हुई मीटिंग्स में मौखिक रूप से यह साफ कर दिया है कि वे पैकेट का वजन या मात्रा बढ़ा सकते हैं। इस जानकारी के बाद, कंपनियां अगले एक-दो हफ्तों में नए पैकेट का उत्पादन शुरू कर देंगी।

पानी की बोतलें भी होंगी सस्ती

देश की सबसे बड़ी पैकड पानी बनाने वाली कंपनी, बिसलेरी इंटरनेशनल के चीफ एग्जीक्यूटिव एंजेलो जॉर्ज ने कहा कि यह बस कुछ ही समय की बात है जब कंपनियां बढ़े हुए वजन के साथ पुराने दामों पर वापस आ जाएंगी। उन्होंने कहा, अभी के दाम ग्राहकों के लिए सुविधाजनक नहीं हैं। यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरें कम होने के बाद सभी कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम कम कर दिए थे। पार्ले का 5 वाला पार्ले-जी बिस्कुट का पैकेट 4.45 का हो गया था। भारत की सबसे बड़ी कन्फेक्शनरी कंपनी, मोंडेलेज ने भी अपने सभी उत्पादों के दाम बदले थे। जैसे, बॉर्नविटा 30 से 26.69 का हो गया था, ओरियो कूकीज 10 से 8.90 की हो गई थीं, और 20 वाले जेम्स और 5स्टार के पैकेट 17.8 के कर दिए गए थे। बिसलेरी ने भी 500 द्रव्य पानी की बोतल 10 से 9 की कर दी थी और एक लीटर वाली बोतल 20 से 18 की कर दी थी।

ज्वेलरी, केमिकल और एनर्जी सेक्टर...7 कंपनियों के आईपीओ को सेबी ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में कई कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये कंपनियां ज्वेलरी से केमिकल और एनर्जी सेक्टर की हैं। ये कंपनियां- पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी, सुदीप फार्मा, रेजोन सोलर, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, सेफेक्स केमिकल्स, एम्कॉन इक्विपमेंट्स इंटरनेशनल और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (एआरसीआईएल) हैं। आइए डिटेल में जान लेते हैं।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ- पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने 450 करोड़ के अपने नियोजित आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी प्राप्त कर ली है। इस आईपीओ में केवल एक नया इश्यू शामिल होगा। पुणे स्थित यह कंपनी पूरे महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में अपनी प्रीमियम हीरे और सोने की खुदरा उपस्थिति का विस्तार करना चाहती है। इसके अलावा, गुजरात स्थित सुदीप फार्मा को भी अपने आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिल गई है।

लॉजिस्टिक्स फर्म को मंजूरी

दूसरी ओर, लॉजिस्टिक्स फर्म शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, जिसे फ्लिपकार्ट और मिराए एसेट का समर्थन प्राप्त है, ने इस महीने की शुरुआत में सेबी को अपने प्री-आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे। इसके अतिरिक्त, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड भी शामिल है, जो पूरी तरह से बिक्री-प्रस्ताव जारी करने का इरादा रखती है। मुंबई स्थित और भारतीय स्टेट बैंक तथा आईडीबीआई बैंक द्वारा समर्थित इस कंपनी में मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे।

क्लासिक लीजेंड्स अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ

जबलपुर। प्रामाणिक परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकिलों को फिर से स्टाइल में लाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर शुरू किया है। इस ऑफर के तहत राइडर्स आज ही अपनी सपनों की मोटरसाइकिल घर ले जा सकते हैं और इसकी ईएमआई 2026 से ही शुरू कर सकते हैं। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक, एलएंडटी फाइनेंस के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस ऑफर की बदौलत ब्रांड अपनी क्लासिक मोटरसाइकिलों को खरीदना अधिक सुलभ बना रहा है, जो इसकी मोटरसाइकिलिंग को और अधिक आनंददायक बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। खरीदार अब आवश्यक डाउन पेमेंट देने के बाद अपने पसंदीदा जावा, येज्दी या बीएसए मोटरसाइकिल की डिलीवरी ले सकते हैं। लोन दिए जाने की तिथि के बाद पहले दो महीनों के लिए, सिर्फ अर्जित ब्याज का भुगतान करना होगा, कोई मूल ईएमआई नहीं देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई लोन

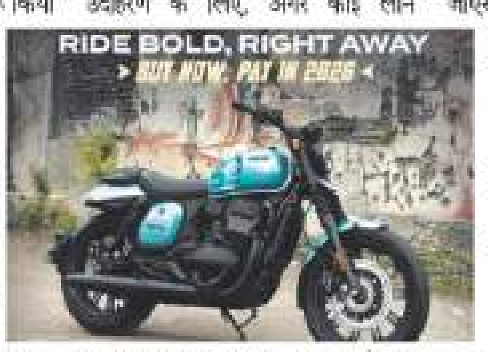

अक्तूबर 2025 में दिया जाता है, तो पहली नियमित ईएमआई जनवरी 2026 में शुरू होगी। कुल लोन अवधि 36 महीनों तक बढ़ सकती है, जिसमें ईएमआई अवकाश अवधि सहित 38 महीनों में पुनर्भुगतान पूरा हो सकता है। यह विशेष फेस्टिवल फाइनांसिंग स्कीम बीएसए गोल्ड स्टार 650 के लिए भी उपलब्ध है। यह एक प्रामाणिक ब्रिटिश मोटरसाइकिल है, जिसे अलग दिखने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह जीएसटी 2.0 से पहले की कीमत पर उपलब्ध है। क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने कहा, अधिकांश राइडर्स के लिए, हमारी मोटरसाइकिलों में से एक का मालिक होना उतना ही व्यावहारिक है जितना कि एक क्लासिक मोटरसाइकिल के लिए भावनात्मक आकर्षण। हमारा अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर उत्सव के इस मौसम में खरीदारी को आसान और खास बनाता है। हमारे खरीदार बिना इंतज़ार किए जावा, येज़दी या बीएसए को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बना सकते हैं, जबकि हमारा ऑफर 2026 तक ईएमआई भुगतान के दबाव को कम करता है।

देहात की आकर्षक स्कीम देहात ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च

गुरुग्राम/ बिहार। देश की सबसे बड़ी एग्रीटेक कंपनी देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे।

पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था।

इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, पिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने ग्रेट गेहूँ महोत्सव के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें।

बताते चलें कि, स्कीम में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के रिसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूज़र हायराइडर एयरो एडिशन लॉन्च किया - एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज के साथ

बेंगलुरु, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम)ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवीअर्बन क्रूज़र हायराइडरका नयाएयरो एडिशनलॉन्च किया है।यह लिमिटेड एडिशन पैकेज हायराइडर को एक नया प्रीमियम और डायनैमिक लुक देता है। एयरो एडिशन का डिज़ाइन इसे सड़क पर और भी आकर्षक बनाता है, जिसमें दमदार लुक के साथ बारीक स्टाइलिंग का शानदार मेल है। यह एडिशन उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो अपने वाहन में स्टाइल, विशिष्टता और आधुनिक आराम का मेल चाहते हैं।

फ्रंट स्पॉइलर- नया फ्रंट स्पॉइलर हायराइडर के दमदार लुक को और निखारता है। यह एसयूवी को ज्यादा शार्प और स्पोर्टी अपीयरेंस देता है, जिससे इसका रोड प्रेज़ेंस और भी प्रभावशाली बनता है।

रियर स्पॉइलर - नए डिज़ाइन वाला रियर स्पॉइलर गाड़ी को स्टाइल और परफॉर्मेंस, दोनों में बढ़त देता है। यह न सिर्फ इसकी स्पोर्टी अपील बढ़ाता है, बल्कि हवा में बेहतर पकड़ (एरोडायनेमिक एफिशिएंसी) भी सुनिश्चित करता है।

साइड स्कर्ट्स - नई साइड स्कर्ट्स गाड़ी के किनारों को सधी-संवरी और बहती हुई रेखाएँ देती हैं, जिससे इसका लुक और भी डायनेमिक और लो-स्लंग दिखाई देता है।

इससे हायराइडर का प्रीमियम और परफॉर्मेंस-प्रेरित अंदाज़ और उभरकर आता है।

एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज की एक्सेसरीज़ 31,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध हैं, और इन्हें देशभर के सभीटोयोटा डीलरशिप्ससे खरीदा जा सकता है।

2022 में लॉन्च होने के बाद से, अर्बन क्रूज़र हायराइडर भारतीय एसयूवी ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई हैऔर हाल ही में इसने 1,68,000 यूनिट्स की बिक्री का नया रिकॉर्डहासिल किया है।टोयोटा की मशहूर ग्लोबल एसयूवी विरासत पर आगे बढ़ते हुए, हायराइडर ने अपनेदमदार और आकर्षक डिज़ाइनके साथ-साथआधुनिक तकनीकके मेल से समझदार ग्राहकों की पसंदीदा कार के रूप में पहचान बनाई है।इस नए और बारीकी से तैयार किए गएएयरो एडिशन एक्सेसरी पैकेजके साथ, हायराइडर का प्रीमियम लुक और भी निखर गया है। इसका डिज़ाइन सड़क पर इसे बाकियों से अलग और खास बनाता है।एयरो एडिशन चार रंगों में उपलब्ध है - व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और रेड।

अर्बन क्रूज़र हायराइडर की कीमत 10.94 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

बी-एसयूवी सेगमेंट में उत्कृष्टता का नया मानक

टोयोटा कीसस्टेनेबल मोबिलिटीपेशकशों में से एक, अर्बन क्रूज़र हायराइडरने अपनेसेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनके साथ बी-एसयूवी श्रेणी में एक नया मानक स्थापित किया है।

यह स्मार्ट सिस्टम पेट्रोल और इलेक्ट्रिक पावर को बड़ी सहजता से जोड़ता है, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूथ और साइलेंट रहता है, जबकि फ्यूल एफिशिएंसी बेहतरीन मिलती है।

यह एसयूवी दो पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है - सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनऔरनियो ड्राइव।सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट ई-ड्राइव ट्रांसमिशन से लैस है और यह लगभग 40 प्रतिशत दूरी और 60 प्रतिशत समय तक सिर्फ इलेक्ट्रिक पावर पर चलता है, जब इंजन बंद रहता है। इससे इसे 27.97 किलोमीटर प्रति लीटरतक की माइलेज मिलती है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की। वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की तुलना में 98 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ 3,627 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,523 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 3.71 प्रतिशत दर्ज हुआ तथा शुद्ध ब्याज आय 3,285 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए जमा लागत 4.69 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए 4.65 प्रतिशत थी। सीआरएआर ने 341 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि दर्ज की और यह 25.39 प्रतिशत हो गया। रिटर्न ऑन एसेट्स (आरओए) में 158 बीपीएस का सुधार हुआ और यह वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 1.97 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 3.55 प्रतिशत दर्ज हुआ। इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 29.64 प्रतिशत रहा।

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

प्रहलाद सबनानी

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है।

वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है।

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है।

दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही, अप्रेल-जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है। इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का स्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60-70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा।

भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वाताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है। साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता नवम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की सम्भावनाएं अब दिखाई देने लगी है। सम्भव है कि नवम्बर 2025 माह में अमेरिका के राष्ट्रपति डानल्ड ट्रम्प भारत आकार इस समझौते की घोषणा करें।

रूस के राष्ट्रपति श्री बलादिमिर पुतिन भी शीघ्र भारत आ रहे हैं और रूस के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत अभी रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है एवं रूस को भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों की मात्रा अभी बहुत कम है। इस तरह भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक हो गया है। चीन के साथ भी भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक मात्रा में है, जिसे कम करने के लिए चीन के साथ भी भारत की बातचीत चल रही है।

कुल मिलाकर आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर के तेज होने की प्रबल सम्भावना है, जो 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के आंकडें को भी छू सकती है।

संपादकीय

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी $कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है।

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शाछ्वाह में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

बहुत ही नाजुक डोर से बंधा पाक-अफगान सीजफायर

सनत जैन

दुनियां आज उस दौर से गुजर रही है, जहां चारों ओर बारुद के ढेर पर खड़े होकर आग का तमाशा दिखाने और देखने वालों का मजमा लगा हुआ है। ऐसे में शांतिप्रिय देशों और उनके लीडरों को आगे आना चाहिए, ताकि तृतीय विश्वयुद्ध की आशंकाओं से दुनियां को बाहर निकाला जा सके। यह अलग बात है कि जो देश और लीडर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं वो भी किसी न किसी रुप में युद्ध में उलझे नजर आते हैं। चिंता की बात तो यह भी है, कि जो शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं वो भी बात तो शांति की करते हैं, लेकिन युद्ध को जारी रखने और ज्यादा भयावह बनाने के लिए जरुरत से ज्यादा जंग का साजो-सामान मुहैया कराने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह, कि विकासशील और अविकसित छोटे-छोटे देश भी कर्ज लेकर खुद को सामरिक तौर पर मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। इस स्थिति में शांति के साथ दुनियां को बेहतर भविष्य देने वालों का हाल क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि बारुद के ढेर को उड़ाने के लिए माचिस की एक तिली ही काफी होती है, लेकिन उस आग को काबू पाने में तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो जाती हैं। इसलिए बारुद का ढेर बनाने और उस पर नाचने वालों को रोकना होगा। इसके लिए सबसे पहले जरुरी हो जाता है कि पड़ोसी मुल्क जंग में उतरने की बजाय मानवता के नाम पर शांति और सहअस्तित्व को अपनाते हुए शांतिपथ पर अग्रसर हों। फिर चाहे वह रुस और यूक्रेन की जंग हो या फिर गाजा में इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के बाद हो रहे हमले हों, इन्हें रुकना ही चाहिए। जहां तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष की बात है तो इसे भी समय रहते रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसकी आंच पड़ोसी देशों तक पहुंचने में देर नहीं करेगी। राहत की बात यह है, कि हाल ही में हुए खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति तो बना ली है, लेकिन यह समझौता उतना ही कमजोर और अस्थिर है जितनी कि किसी नाजुक डोर पर तेज हवा में अठखेलियां करती पतंग। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि यह सीजफायर बहुत नाजुक लाइन पर टिका हुआ है। वहीं अफगानिस्तान ने साफ शब्दों में कहा है, कि पाकिस्तान अपने ही राजनीतिक विरोधियों को आतंकवादी कहकर बदनाम करता है और अपने अंदर झांकने को तैयार नहीं है। दरअसल, इस्लामाबाद और काबुल के बीच का समझौता तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुआ, जिसमें यह तय हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोकेंगे। इस समझौते के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि यह सीजफायर तभी कायम रहेगा जब अफगान की तालिबान सरकार पाकिस्तान पर हमला करने वाले समूहों पर सख्ती से लगाम लगाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, अफगानिस्तान से आने वाली कोई भी चीज इस समझौते का उल्लंघन होगी। सब कुछ इसी एक लाइन पर टिका है। कुल मिलाकर ख्वाजा आसिफ का यह बयान बताता है कि पाकिस्तान को तालिबान पर भरोसा नहीं है। एक वजह यह हो सकती है कि पाकिस्तान डरा हुआ है, कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की साजिशें फिर से शुरू हो सकती हैं। खासकर पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) जैसे संगठन, जो वर्षों से इस्लामाबाद के लिए सिरदर्द बने हुए हैं, उनकी गतिविधियों पर पाकिस्तान की चिंता लाजमी है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने चेताते हुए कहा, सभी पक्षों को समझौते के हर प्रावधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, काबुल इन शर्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर पाकिस्तान अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी। यह अलग बात है कि याकूब ने मध्यस्थ देशों तुर्की और कतर से इस समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद करने की भी अपील कर दी है। इसका मतलब साफ है कि अफगानिस्तान नहीं चाहता कि संघर्ष हो और खून-खराबे की नौबत आए। वैसे भी अफगानिस्तान दशकों से युद्ध की विभीषिका को झेलता आया है, ऐसे में अब वह शांति के साथ आगे बढ़ना और बेहतर जिंदगी को तलाशना चाहता है। इसलिए अफगान मंत्री ने पाकिस्तान के उस आरोप को भी सिरे से खारिज किया, कि भारत, अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ करता है। उन्होंने कहा कि ये सभी दावे बेबुनियाद और निराधार हैं। इस संबंध में याकूब मुजाहिद का कहना था, कि हमारी नीति कभी भी अपने क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य देश के खिलाफ करने की नहीं रही है। हम भारत सहित सभी देशों के साथ स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध बनाए रखना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य संबंधों का विस्तार करना है, तनाव पैदा करना नहीं। बहरहाल पाकिस्तान जहां लगातार अफगानिस्तान पर आतंकियों को शरण देने का आरोप लगाता आया है, वहीं अफगानिस्तान का मानना है कि पाकिस्तान खुद अपनी घरेलू असफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ता है। दरअसल, तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान ने खुद को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। वहीं पाकिस्तान, जो लंबे समय तक अफगान मामलों में मददगार की भूमिका निभाता आया है, अब खुद को धीरे-धीरे हाशिए पर महसूस करने लगा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहद संवेदनशील और अविश्वास के धरातल पर टिके हुए हैं। सीजफायर का यह समझौता फिलहाल क्षेत्र में शांति की एक क्षणिक उम्मीद बनकर जरूर उभरा है, लेकिन इसके स्थायी बने रहने के लिए जरूरी है कि दोनों देश अपने राजनीतिक और सामरिक एजेंडे से ऊपर उठकर वास्तविक सहयोग की भावना दिखाएं। अन्यथा, यह नाजुक डोर कभी भी टूट सकती है, और तब दक्षिण एशिया में अस्थिरता की नई लहर उठ खड़ी होगी।

स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा भाई दूज

योगेश कुमार गोयल

आमतौर पर दीपावली के दो दिन बाद अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इस वर्ष दीवाली 20 अक्तूबर को मनाई गई और भाई दूज पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 22 अक्तूबर को रात 8 बजकर 17 मिनट पर शुरू हो रही है और 23 अक्तूबर को रात 10 बजकर 47 पर समाप्तं होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार भाईदूज का पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 2 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से ह्यभाई दूजह्न का पर्व मनाया जाने लगा।

भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी।

कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है।

जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई।

सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवार वालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सब को विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढ़ेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया। भाई-बहन के बीच इसी प्रकार के पावन संबंध, प्रेमभाव तथा उनके दिलों में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही 'भाई दूज' पर्व मनाया जाता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

ऋतिक रोशन के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती– परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

क्राइम कहानियों की शौकीन हैं कोंकणा सेन शर्मा

कोंकणा सेन शर्मा अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसका निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। अभिनेत्री ने इस सीरीज में निभाए अपने किरादर के बारे में विचार प्रकट किए।

क्राइम कहानियों में रूचि रखती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा ने एएनआई से बात की। उन्होंने कहा, मुझे बहुत मजा आया, क्योंकि मुझे सच्चा क्राइम बहुत पसंद है। सिर्फ सच्चा अपराध ही नहीं, बल्कि क्राइम फिक्शन और क्राइम सीरीज भी, मुझे ये सभी पसंद हैं। मैंने बहुत सारी देखी हैं। मुझे यह किरदार वाकई पसंद आया। शुरुआत से ही, मैंने गौर किया कि एसीपी संयुक्ता दास को कैसे पेश किया गया है। हमने उनके घरेलू जीवन, उनके पेशेवर जीवन और दोनों के बीच संतुलन को दिखाया। एक मां के रूप में, एक एसीपी के रूप में, एक पत्नी के रूप में, इन सबके बीच संतुलन बनाए रखते हुए। यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प था।

निर्देशक रोहन सिप्पी ने कहानी को खास बनाने पर बात की

सीरीज 'सर्च–द नैना मर्डर केस' के निर्देशक रोहन सिप्पी ने भी आज के दर्शकों के लिए कहानी को प्रासंगिक बनाए रखने के महत्व पर बात की। जब उनसे पूछा गया कि वे आधुनिक दर्शकों के लिए खुद को कैसे ढालते हैं, तो डायरेक्टर ने कहा, यह जरूरी है क्योंकि वे काल्पनिक और सच्ची अपराध कहानियां, दोनों देख रहे हैं। इसलिए हम यह भी मानते हैं कि अगर कहानी में कोई कमज़ोरी होगी, तो लोग उसे तुरंत पकड़ लेंगे। लेकिन जैसा मैंने कहा, लेखकों को यह जानना जरूरी है कि दर्शकों को यह पसंद आ रही है या नहीं। क्या वे यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि शक किस तरफ जाएगा।

क्या है सीरीज की कहानी?

सर्च- द नैना मर्डर केस सीरीज में नैना नाम की एक युवती की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक पार्टी के बाद गायब हो जाने के बाद एक खतरनाक मोड़ ले लेती है। कुछ दिनों बाद, उसका शव एक जंगल में मिलता है, जिससे एक चौंकाने वाली हत्या की जांच शुरू होती है। इसके बाद कहानी में और रोमांच बढ़ जाता है।

150 करोड़ रुपये के बजट वाले एड फिल्म में काम कर रहे हैं बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह

एक्टर बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह का बीते दिन एक पोस्टर सामने आया था, जिसमें वो तीनों अलग–अलग लुक में दिखाई दे रहे थे। दावा किया जा रहा था कि किसी फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें उनका कोई खतरनाक रोल होगा। मगर इस पर अफवाह अब फुलस्टॉप लगा। क्योंकि ये 150 करोड़ रुपये के बजट वाले एक एड फिल्म में काम कर रहे हैं। और इसका डायरेक्शन कोई और नहीं, बल्कि जवान के डायरेक्टर एटली करेंगे। बताया जा रहा है कि ये एड फिल्म चिंग्स देसी चाइनीज और उसके ने कैम्पेन एजेंट चिंग अटैक्स के लिए है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एड फिल्म की शूटिंग एक फीचर फिल्म की तरह ही की जाएगी, जिसमें एक बड़ा सेट होगा। साथ ही इसके बजट के बारे में भी इस रिपोर्ट में बताया गया है, जो कि बहुत बड़ा अमाउंट है।

रणवीर–बॉबी और श्रीलीला का एड सोर्स के हवाले से बताया गया, चिंग्स देसी चाइनीज का एड कैम्पेन, जिसमें रणवीर सिंह , बॉबी देओल और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं, उसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। और लगभग 150 करोड़ रुपये के भारी–भरकम बजट पर बनाया जा रहा है। कंपनी 19 अक्टूबर को मुंबई में एक स्क्रीनिंग भी आयोजित कर रही है , जिसमें एटली, रणवीर और श्रीलीला शामिल होंगे। बता दें कि श्रीलीला को आखिरी बार भानु भोगवरपु निर्देशित मास झटारा में देखा गया था। इसके अलावा, रणवीर सिंह को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में और बॉबी देओव को आर्यन खान की डायरेक्ट वेब सीरी बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया था। और अब ये तीनों एड फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं।

पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना की एंट्री

आयुष्मान खुराना इन दिनों फिल्म थामा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। रोशनी के इस त्योहार पर आयुष्मान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। उनकी अगली फिल्म का एलान हो गया है। नाम है– पति पत्नी और वो दो। यह फिल्म अगले साल होली पर दस्तक देगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे।

हिंदू परिवार में शादी करने पर ट्रोल हुईं सारा खान

हाल ही में 'बिदाई' फेम टीवी एक्ट्रेस सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंधीं। आठ अक्टूबर को एक्ट्रेस ने एक्टर–प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज किया है। हालांकि, दूसरे धर्म में शादी करने की वजह से सारा को ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सारा के सपोर्ट में उनके ऑन स्क्रीन पति एक्टर अंगद हसीजा ने चुप्पी तोड़ी है। अंगद ने अपनी दोस्त को सपोर्ट करते हुए इंडिया फोरम से कहा– 'सारा को शादी बहुत ही सिंपल तरीके से करनी थी। उसकी हमेशा से चाहत थी। तो बस उसका परिवार और मैं अकेला दोस्त वहां मौजूद था। 18 साल की जान पहचान में आप दोस्त नहीं परिवार बन जाते हैं। उसका पार्टनर बहुत अच्छा है। सास बहुत अच्छी है। उन्होंने सारा को बहुत प्यारा से अपनाया है। वो बहुत जल्द ही धूमधाम से शादी करेगी।' वहीं, शादी की वजह से सारा की ट्रोलिंग पर एक्टर ने कहा– अब वक्त बदल गया है। लोग अपग्रेड हो गए हैं और उनकी सोच बदल गई है। मुझे नहीं लगता कि किसी को कास्ट को लेकर फर्क पड़ता है। पहले का वक्त चला गया है। मेरे लिए ये बहुत फनी सी बात है। बता दें कि ट्रोलिंग को लेकर सारा ने भी ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा था– 'कृष और मैं अलग–अलग संस्कृतियों से हैं लेकिन हमारा मानना है कि हमारे धर्मों ने हमें प्रेम करना सिखाया है। हमारे परिवारों ने हमें सबसे पहले दूसरों का सम्मान करना सिखाया है। हम भी यही मानते हैं और एक जैसा सोचते हैं। मैं शुभचिंतकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं और साथ ही उन निगेटिव टिप्पणियों को भी संबोधित करना चाहती हूं, जिन्हें बहुत सीखने की जरूरत है। कोई भी धर्म आपको किसी अन्य धर्म या विश्वास को नीचा दिखाना या किसी का अनादर करना नहीं सिखाता है।

हम अपने शुभचिंतकों के साथ अपना मैरिटल स्टेटस शेयर कर रहे हैं न कि किसी की मंजूरी मांग रहे हैं क्योंकि हमें पहले ही अपने परिवारों और कानून से इसकी मंजूरी मिल चुकी है। मेरे ईश्वर के साथ मेरा रिश्ता पूरी तरह से मेरा। मेरे और मेरे ईश्वर के बीच किसी को भी कमेंट करने का कोई अधिकार नहीं है।

सैयारा की सफलता के बाद अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं अहान पांडे

सैयारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं। अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। सैयारा की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव–स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं।

सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग

यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्म्स में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसमें सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है।

अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी

माना जा रहा है कि लव–स्टोरी के बाद अब ये नई एक्शन–रोमांस फिल्म आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। ये आदित्य चोपड़ा व अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी, जिनकी जोड़ी ने मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी हिट फिल्में दी हैं।

इत्ती सी खुशी में मेरा किरदार आकर्षक और दयालु है

सोनी सब का लोकप्रिय शो इत्ती सी खुशी दर्शकों को लगातार भावुक और प्रेरक कहानी के जरिए जोड़ रहा है। शो की नायिका अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) एक ऐसी युवती है, जो पारिवारिक संघर्षों के बीच अपने पाँच भाई–बहनों की जिम्मेदारी उठाती है। उसकी जिंदगी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं विराट, जिन्हें रजत वर्मा साकार कर रहे हैं। वह एक आकर्षक और रहस्यमयी शख्सियत है, जो अन्विता की जिंदगी में प्यार, उम्मीद और भावनात्मक गहराई लाता है।प्रेम और अपराधबोध के बीच झूलता विराट शो की भावनात्मक धुरी को और सशक्त बनाता है, जिससे वह सबसे प्रभावशाली किरदारों में से एक बन जाता है। शो में अपने किरदार और सफर के बारे में बात करते हुए रजत वर्मा ने विराट को जीवंत करने के बारे में खुलकर बात की, साथ ही उनके सूक्ष्म चित्रण, सह–कलाकारों के साथ उनकी सहज ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री और दर्शकों से किरदार को मिली दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी साझा की।

आप इत्ती सी खुशी में विराट के किरदार से खुद को किस तरह जोड़ते हैं? और उसे निभाने में सबसे बड़ा इनाम या चुनौती क्या रही?

विराट ऐसा किरदार है, जो अन्विता की जिंदगी में गर्माहट और उम्मीद लेकर आता है। वह आकर्षक और दयालु है, लेकिन उसके अतीत में एक रहस्य छिपा है। इस किरदार का सबसे पुरस्कृत हिस्सा उसके गहरे भावनात्मक पहलुओं को खोजना रहा और सबसे बड़ी चुनौती रही उसकी सहज आत्मविश्वास और भावनात्मक गहराई को निभाना, क्योंकि मेरी खुद की पर्सनैलिटी थोड़ी संकोची है। अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलना और विराट की यात्रा को प्रामाणिक रूप से दिखाना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है।

विराट इस समय भावनात्मक दौर से गुजर रहा है अपनी पहचान वीर के रूप में उजागर होने से लेकर अन्विता के परिवार की मदद करने तक आप उसकी इस यात्रा को कैसे देखते हैं?

विराट की यात्रा पूरी तरह प्रेम से प्रेरित एक परिवर्तन है। वह अन्विता की जिंदगी में उम्मीद की किरण बनकर आता है, उसे संघर्षों से राहत और सहारा देता है। लेकिन जब उसकी असली पहचान सामने आती है, तो उसे अपने अतीत के परिणामों का सामना करना पड़ता है और भावनात्मक चुनौतियों से जूझना पड़ता है। अन्विता के परिवार के प्रति उसका अटूट सहयोग, उसकी गहराई और जिम्मेदारी उठाने की क्षमता को उजागर करता है। यह भी बताता है कि सबसे मुश्किल क्षणों में भी उस पर भरोसा किया जा सकता है।

आप और सुम्बुल ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री कैसे क्रिएट कर रहे हैं?

सुम्बुल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं और हमारे बीच एक नैचरल कनेक्शन है, जो स्क्रीन पर खूबसूरती से नज़र आता है। हम सीन से पहले बातचीत करते हैं, किरदारों के नजरिए और भावनाओं को समझते हैं। हम एक–दूसरे पर भरोसा करते हैं कि सीन में ज़रूरी डायनैमिक्स, चाहे तनाव हो, गर्माहट हो या दोनों का मेल, लाकर देंगे। यही सहयोग हमारी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री को वास्तविक और प्रभावी बनाता है।

आप बाल कलाकारों से सबसे ज्यादा किससे जुड़ाव महसूस करते हैं? सेट का कोई मजेदार किस्सा?

सेट पर सभी बाल कलाकारों के साथ मेरा एक सच्चा रिश्ता है; वे हर दृश्य में अविश्वसनीय ऊर्जा, आनंद और प्रामाणिकता लाते हैं। सेट पर हर दिन जीवंत और जिंदगी से भरा लगता है और उनका उत्साह हमारे साथ शूट किए गए दृश्यों को और भी बेहतर बना देता है। मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी उनकी लगन और कौशल से होती है। इतनी छोटी उम्र के बावजूद, वे जिस परिपक्वता और कुशलता से अभिनय करते हैं, वह मुझे अक्सर अचंभित कर देता है। उन्हें काम करते हुए देखकर, आप कभी–कभी उनकी उम्र भूल जाते हैं; उनका ध्यान, समय और स्वाभाविक स्वभाव वाकई प्रेरणादायक है। उनकी उपस्थिति न केवल शो में ताज़गी लाती है, बल्कि उनके आसपास के सभी लोगों को सेट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित भी करती है।

एक ऐसे किरदार की तैयारी कैसे करते हैं, जो अपराधबोध, प्रेम, रहस्य और जिम्मेदारी के बीच संतुलन साधता है?

विराट की जटिल भावनाओं को निभाने के लिए उसे गहराई से समझना ज़रूरी था। मैं उसके हर कदम के पीछे की प्रेरणा, उसके रहस्यों का बोझ और उन सबका उसके रिश्तों पर असर समझने की कोशिश करता हूँ। इसके लिए मैं स्क्रिप्ट का गहराई से अध्ययन करता हूँ, निर्देशक से चर्चा करता हूँ और व्यक्तिगत रूप से भी उस पर चिंतन करता हूँ। यह अवलोकन ही चिंतन और अनुभूति का मिश्रण है, जो मुझे विराट के किरदार की परतों को विश्वसनीय ढंग से निभाने में मदद करता है।

पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप से बाहर

अब एक स्पॉट के लिए तीन टीमों में जंग, दिलचस्प हुआ सेमीफाइनल का समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तानी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं. 21 अक्टूबर (मंगलवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में पाकिस्तान को साउथ अफ्रीका ने डीएलएस नियम के तहत 150 रनों से हरा दिया.

बारिश से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम को 20 ओवर्स में 234 रन बनाने थे, लेकिन वो सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी. मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवरों में 9 विकेट पर 312 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका इस जीत के साथ ही अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गया. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम्स पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. वहीं पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश अंतिम-चार की रेस से बाहर हो चुका है. अब चौथे एवं आखिरी स्थान के लिए भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच रेस है. बात पहले भारतीय टीम की करते हैं. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस समय 4 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है. टीम इंडिया ने 5 मैच खेले हैं और उसका नेट रनरेट +0.526 है. भारत को अब न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं. अगर भारत अपने दोनों बचे मैच हारता है, तो उसका सफर यहीं खत्म हो जाएगा. न्यूजीलैंड के पांच मैचों से 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट -0.245 है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है. अगर न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच (बनाम भारत और इंग्लैंड) जीत लेता है, तो वह 8 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा. अगर न्यूजीलैंड की टीम भारत को हराती है, लेकिन इंग्लैंड से हार मिलती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम भारत को हराए. साथ ही उसका नेट रन रेट श्रीलंका से बेहतर रहे या पाकिस्तानी टीम श्रीलंका को हरा दे. श्रीलंकाई टीम 6 मैचों में 4 अंकों के साथ छठे नंबर पर है. श्रीलंका का नेट रनरेट -1.035 है. श्रीलंका का केवल एक मैच बचा है, जो पाकिस्तान के खिलाफ है. पाकिस्तान के खिलाफ जीत भी श्रीलंका के लिए काफी नहीं होगा. उसे यह उम्मीद करनी होगी कि भारत अपने दोनों मैच (बनाम न्यूजीलैंड और बांग्लादेश) हार जाए, वहीं न्यूजीलैंड को इंग्लैंड से हार मिले. इसके साथ ही श्रीलंका का नेट रनरेट न्यूजीलैंड से बेहतर रहे.

न्यूजीलैंड को हराने पर मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी क्योंकि उसके 6 अंक हो जाएंगे. भारत सेमीफाइनल की रेस में शामिल तीन टीम्स में ऐसी अकेली ऐसी टीम होगी, जिसने तीन मैच जीते होंगे. लेकिन अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारती है और वो बांग्लादेश को हराती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हराए, तभी भारत टॉप-4 में पहुंच पाएगा.

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग:

जसप्रीत बुमराह के लिए मुसीबत बना पाकिस्तान का 39 साल का गेंदबाज

नंबर 1 रैंकिंग पर खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत पर खतरा मंडराने लगा है. 39 साल के स्पिनर उनके काफी करीब पहुंच गया है. ये स्पिनर साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए ये मुकाम हासिल किया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के इस स्पिनर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और 10 विकेट हासिल किए थे. आईसीसी टेस्ट बॉलिंग की रैंकिंग में ये गेंदबाज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है.

नुमान अली ने लगाई लंबी छलांग

पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नुमान अली ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस दौरान वो जसप्रीत बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. जसप्रीत बुमराह इस रैंकिंग में टॉप पर है. उनके 882 रेटिंग है, जबकि नुमान अली 853 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर हैं. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी तीसरे नंबर पर हैं.

साईं दरबार में सूर्यकुमार यादव!

टी-20 सीरीज से पहले शिर्डी में लिया साईं बाबा का आशीर्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज 29 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रही है. इस अहम दौरे से पहले भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ शिर्डी पहुंचे और साईं बाबा के दरबार में श्रद्धापूर्वक दर्शन किए. दिवाली के अवसर पर दोनों ने साईं बाबा की मध्यान्ह आरती में शामिल होकर पूजा-

अर्चना की. सूर्यकुमार यादव ने साईं समाधि पर केसरी रंग की शॉल अर्पित की और द्वारकामाई व गुरुस्थान के भी दर्शन किए. साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने सूर्यकुमार यादव और उनके परिवार का साईंबाबा शॉल भेंट कर सत्कार किया. इस आध्यात्मिक यात्रा के बाद सूर्यकुमार यादव अब ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में टीम इंडिया इस टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करेगी.

दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के निशाने पर होंगे रोहित और कोहली, कंगारूओं ने Ro-Ko के लिए बनाई योजना

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि रोहित-कोहली पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम को दूसरे वनडे में घेरने के लिए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने साढ़े सात माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को निशाना बनाने की योजना बनाई है। पहले वनडे में फ्लॉप रहे दोनों दिग्गजों के लिए एडिलेड का मैच महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि दोनों पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इन दोनों को एक बार फिर सस्ते में आउट करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाकर एडिलेड में ही सीरीज जीतने की होगी। वहीं, भारतीय टीम की कोशिश पर्थ में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर पलटवार करने की होगी, लेकिन इसके लिए गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में रोहित और विराट के बल्ले से रन निकलना अहम होगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जब भारत के खिलाफ एडिलेड में उतरेगी तो उसकी कोशिश विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी का फायदा उठाने की होगी। पर्थ में भी मिचेल स्टार्क ने विराट को शून्य पर ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंद पर आउट किया था। बीते कुछ समय में विराट ऑफ स्टंप के बाहर अपनी गलती के चलते कई बार आउट हुए हैं।

स्टार्क-हेजलवुड उठाएंगे कमजोरियों का फायदा: विराट और रोहित की पर्थ में नाकामी का ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह तेज गेंदबाजों की मंत्रणा में शामिल नहीं थे लेकिन हाल ही में विराट इसी तरह आउट हो रहे हैं (ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर)। जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है, वे जानते हैं कि उन्हें इन दोनों के खिलाफ क्या करना है। शॉर्ट ने कहा कि पर्थ में इन गेंदबाजों ने परिस्थितियों को ही सारा काम करने दिया, विकेट पर थोड़ी स्विंग और तेजी थी। शॉर्ट को यकीन है कि ये दोनों गेंदबाज एडिलेड में भी फिर से ऐसा ही करेंगे। रोहित पर्थ में हेजलवुड की शरीर पर आ रही पटकी हुई गेंद को संभाल नहीं पाए थे, जबकि विराट ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग हो रही गेंद को हवा में खेल बैठे थे।

विराट के लिए घर जैसा है एडिलेड ओवल

विराट कोहली के लिए एडिलेड ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। इस मैदान पर तीनों प्रारूपों में उनका औसत 65 के आसपास है और वह यहां पांच अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ चुके हैं। दो शतक उन्होंने यहां वनडे में लगाए हैं। उन्होंने यहां वनडे में 18,15,107 और 104 रन की पारियां खेली हैं। ऐसे में वह आत्मविश्वास के साथ एडिलेड में बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। फिर पर्थ की अपेक्षा यहां उछाल भी नहीं होगा। एडिलेड की पिच बल्लेबाजों को रास आती है। रोहित शर्मा भी एडिलेड की पिच का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। हालांकि रोहित का एडिलेड में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह यहां वनडे में अपने पहले अर्धशतक की तलाश में हैं। वह इस मैदान पर वनडे में 1, 24, 33, 15, 15, 43 रन की पारियां खेल पाए हैं।

एकबार फिर टीम इंडिया ने पाकिस्तानी कप्तान से नहीं मिलाया हाथ, मैच में 81-26 से रौंदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई युवा खेलों में भारत की युवा कबड्डी टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया. बहरीन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 81-26 के विशाल अंतर से हरा दिया. इस मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने सबका ध्यान खींच लिया. भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया.

पाकिस्तान की करारी हार: टॉस के वक्त हुए इस 'नो हैंडशेक' मोमेंट के बावजूद, भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार खेल दिखाया. शुरू से ही भारत ने मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा. पाकिस्तान की टीम भारतीय खिलाड़ियों की गति और रणनीति के आगे टिक ही नहीं पाई. इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हार का स्वाद चखाया था. यानी टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है.

कबड्डी में भारत का एकछत्र राज

पहली बार है जब कबड्डी को एशियाई युवा खेलों का हिस्सा बनाया गया है. सात देशों की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं. इस फॉर्मेट में जो टीमें शीर्ष पर रहेंगी, वे 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी. मौजूदा प्रदर्शन देखकर ऐसा लगता है कि भारत फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है.

'नो हैंडशेक' से उठे सवाल, लेकिन मिला देश का समर्थन: भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाने का ट्रेंड अब बार-बार दिखने लगा है. कुछ महीने पहले एशिया कप क्रिकेट में भी सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था.

सचिन से 5000 ज्यादा मेरे रन...

सबसे ज्यादा शतक भी मेरे होते, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बयान से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक (माइकल) हसी का एक बयान खूब वायरल हो रहा है. हसी ने कहा है कि अगर उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके मिले होते या सही समय पर उनका डेब्यू हुआ होता तो फिर वह भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा बना देते. यू-ट्यूब चैनल पर माइक हसी ने कहा, मेरे टाइम पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में काफी प्रतिभा थी, जिस कारण मुझे देरी से मौका मिला. अगर मुझे सही समय पर मौका मिला होता तो यकीनन मैं सचिन तेंदुलकर से ज्यादा रन बना देता. हसी ने आगे कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है. मैं सचिन से 5000 रन पीछे रह जाऊंगा, जो इस खेल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा एशेज और सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप, हर चीज मेरे नाम. फिर बदकिस्मती से मैं सुबह उठता हूं तो यह सब सपना लगता है. फिर मैं सोचता हूं मुझे पहले मौका मिला होता तो ज्यादा अच्छा होता. बता दें कि इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर के नाम हैं. टेस्ट में सचिन ने 15921 रन, वनडे में 18426 रन और टी20 में 10 रन बनाए, ऐसे में सचिन के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 34 हजार से ज्यादा रन हैं. अब हसी का यह कहना है कि वह सचिन से 5000 रन बना देते, हर किसी को हैरान करने वाला है. माइकल हसी को करीब 31 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला था. वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट, 185 वनडे और 38 टी20 मैच खेले. टेस्ट में हसी के नाम 6235 रन, वनडे में 5442 रन और टी20 में 721 रन हैं

. हसी ने टेस्ट में 19 और वनडे में 3 शतक जड़े. वह सचिन से इंटरनेशनल क्रिकेट में 78 शतक पीछे रहे. सचिन तेंदुलकर के जहां 100 शतक रहे, वहीं हसी के नाम 22 शतक ही रहे.

समरदीप पर नजरें

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान, भारत उतारेगा युवा दल

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एसबी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच, चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस मास्टर्स:

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। जोकोविच इससे पहले पैर में चोट के कारण मैड्रिड टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। हाल ही में शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कुछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था। ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारियों और उनका सामान लेकर जा रही ट्रेन दूसरी गाड़ी से टकराई, 14 लोगों की मौत

इथियोपिया , एजेंसी। पूर्वी इथियोपिया के एक सुदूर इलाके में एक ट्रेन के एक अन्य ट्रेन से टकरा जाने से कम 14 लोगों की मौत हो गई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना सोमवार रात को दिरे दावा शहर के निकट उस समय हुई जब ट्रेन व्यापारियों और उनके सामान को लेकर जिबूती सीमा के निकट देवाले शहर से वापस आ रही थी।दिरे दावा के मेयर इब्राहिम उस्मान ने मंगलवार को फेसबुक पर एक बयान में दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया तथा मृतकों की संख्या की पुष्टि। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के बाद एम्बुलेंस तुरंत उपलब्ध न होने के कारण हताहतों की मदद में देरी हुई। उन्होंने बताया कि घायलों को स्थानीय लोगों ने डिब्बों से बाहर निकाला।

पाकिस्तान और तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन अमरुल्लाह सालेह ने भारत को भेजी दिवाली बधाई

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने भारत और दुनिया भर के हिंदुओं को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उन्होंने दारुल उलूम देवबंद मदरसे को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी भी दी।सालेह तालिबान और पाकिस्तान की सेना के जेहादी एजेंडे के कट्टर आलोचक है। अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के समय वे उप राष्ट्रपति थे और बाद में तालिबान विरोधी नेता अहमद मसूद के साथ जुड़े।

सालेह ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा:सभी भारतीयों और दुनिया भर के हिंदुओं को दिवाली की शुभकामनाएं। कृपया देवबंद मदरसे का ध्यान रखें।यह टिप्पणी हाल ही में तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के भारत दौरे और देवबंद मदरसे के उनके दौरे से जुड़ी मानी जा रही है। भारत सरकार ने मुत्तकी को देवबंद जाने की अनुमति दी थी, जिसे लड़कियों की शिक्षा पर महीन संदेश के रूप में भी देखा गया।

तालिबान और देवबंद कनेक्शन : तालिबान के कई नेता पाकिस्तान के दारुल उलूम हक्कानिया मदरसे से पढ़े हैं, जो हनफी देवबंदी स्कूल का प्रचार करता है। हक्कानिया मदरसे के संस्थापक मौलाना अब्दुल हक ने दारुल उलूम देवबंद से शिक्षा ली थी, और उनके बेटे मौलाना समी उल हक को तालिबान का पितामह माना जाता है।

उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी, दक्षिण कोरिया ने किया दावा

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को बताया कि उत्तर कोरिया ने एक बैलिस्टिक मिसाइल पूर्व दिशा में दागी है। यह उत्तर कोरिया का लगभग पांच महीनों में पहला हथियार परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि मिसाइल की दूरी या ऊंचाई जैसी विस्तृत जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। आमतौर पर उत्तर कोरिया अपने मिसाइल परीक्षण कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच के जलक्षेत्र में करता है, जिससे पड़ोसी देशों को कोई नुकसान नहीं होता। हालांकि इस बार सेना ने केवल इतना बताया कि मिसाइल पूर्व दिशा में दागी गई थी।

वाइट हाउस में दीप जलाकर ट्रंप ने मनाई दीपावली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की और दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों और पाकिस्तान की स्थिति पर चर्चा की। यह बातचीत दीपावली के अवसर पर हुई, जब ट्रंप ने वाइट हाउस में दीप जलाकर भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं दीं। ट्रंप ने कहा, मैं भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज ही मैंने आपके प्रधानमंत्री से बात की है। बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार पर चर्चा की। वो इस पर बहुत रुचि रखते हैं। हमने पाकिस्तान के साथ युद्ध न होने की बात भी की। यह बहुत अच्छी बात रही। वो एक शानदार व्यक्ति हैं और सालों से मेरे अच्छे मित्र रहे हैं।

इस दौरान ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने भारत पर 25 नया टैरिफ (शुल्क) लगाया है, जो रूसी तेल की खरीदारी को लेकर लगाया गया है। इस वर्ष अब तक भारत पर कुल अमेरिकी आयात शुल्क 50 तक पहुंच चुका है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ताएं फिलहाल जारी हैं।

चीन के साथ व्यापारिक विवाद पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा, एक नवंबर से चीन पर करीब 155 शुल्क लगाया जाएगा। यह उनके लिए टिकाऊ नहीं है। मैं चीन के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहता हूं, लेकिन उन्होंने हमें कई सालों तक नुकसान पहुंचाया है, क्योंकि हमारे पूर्व राष्ट्रपति व्यावसायिक दृष्टि से इतने समझदार नहीं थे। ट्रंप ने मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया पर भी बात की और दावा किया कि उनके कार्यकाल में दुनिया के कई हिस्सों में शांति स्थापित हुई।

उन्होंने कहा, हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे हैं। कई देश अब एक-दूसरे के साथ आ गए हैं। हाल ही में मुझे मध्य पूर्व से कॉल आई। हम वहां बहुत अच्छा कर रहे है। कई देशों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पहले असंभव माना जाता था।

हमास पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह समूह काफी हिंसक है, लेकिन अमेरिका स्थिति को नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने शांति समझौते का पालन नहीं किया, तो उन्हें बहुत जल्दी संभाल लिया जाएगा। अब मध्य पूर्व में पूरी तरह शांति है। जो देश पहले एक-दूसरे के दुश्मन थे अब मित्र बन चुके हैं।

रूस से तेल खरीद पर भी दिया बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हम अपने देशों के बीच कुछ बेहतरीन समझौतों पर काम कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह भी मेरी तरह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। वे बहुत ज्यादा तेल खरीदने नहीं जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने इसमें काफी कटौती कर दी है, और वे इसमें लगातार कटौती करते जा रहे हैं।

हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे-ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे हैं... हम सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। मुझे अभी मध्य पूर्व से फ़ोन आया है। हम वहाँ बहुत अच्छा कर रहे हैं। कई देशों ने मध्य पूर्व में शांति के लिए समझौता किया है, और किसी ने नहीं सोचा था कि वे कभी ऐसा होते देखेंगे। हमास की स्थिति, वे बहुत हिंसक लोग हैं। हम इसे दो मिनट में सुलझा सकते हैं। हम उन्हें एक मौका दे रहे हैं। उन्होंने सहमति जताई थी कि वे बहुत अच्छे और सीधे रहेंगे। वे लोगों की हत्या नहीं करेंगे। अगर वे समझौते का सम्मान नहीं करते हैं, तो उनका बहुत जल्दी निपटारा कर दिया जाएगा। मध्य पूर्व में पूर्ण शांति है; हम सभी के साथ मित्रता के स्तर पर हैं। हर देश जो एक-दूसरे से नफरत करता था, अब एक-दूसरे से प्यार करता है। किसी ने पहले ऐसा कुछ नहीं देखा था।

प्रधानमंत्री पर जानलेवा हमले के आरोपी को 21 साल की जेल, रूस का समर्थन करने से गुस्से में था

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हत्या की कोशिश करने के आरोपी व्यक्ति को आतंकवादी हमले का दोषी ठहराया और उसे 21 साल की जेल की सजा सुनाई। इस घटना ने यूरोप के इस छोटे से देश को झकझोर कर रख दिया। दरअसल स्लोवाकिया को पश्चिमी देशों की बजाय रूस के करीब ले जाने के लिए रॉबर्ट फिको की आलोचना की जाती है।

बीते साल प्रधानमंत्री पर हुआ हमला: जुराज सिंटुला ने 15 मई, 2024 को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फीको पर उस समय गोलीबारी की, जब वे राजधानी ब्रातिस्लावा से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हैंडलोवा शहर में एक कार्यक्रम के बाद समर्थकों का अभिवादन कर रहे थे। 72 वर्षीय सिंटुला को हमले के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि जांचकर्ताओं द्वारा पूछताछ में सिंटुला ने खुद के आतंकवादी होने के आरोपों से इनकार कर दिया।

अदालत ने आरोपी की उम्र देखते हुए दी 21 साल की सजा: हमले में फिको को पेट में गोली लगी थी और उन्हें हैंडलोवा से पास के शहर बांस्का बिस्त्रिका के एक अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी पांच घंटे की सर्जरी हुई, उसके दो दिन बाद उनका एक और ऑपरेशन किया गया। फिलहाल वे ठीक हैं। सिंटुला ने बताया कि वह सरकार की नीतियों से असहमत था। हालांकि सरकारी वकील ने कहा कि यह हमला किसी आम नागरिक पर नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री पर था। आरोपी ने लोगों से सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए उकसाया। वकीलों ने आरोपी सिंटुला के लिए उम्रकैद की

मांग की, लेकिन अदालत ने सिंटुला की उम्र और कोई आपराधिक रिकॉर्ड न होने को देखते हुए उसे 21 साल जेल की सजा सुनाई।

यूक्रेन की सैन्य सहायता बंद करने से नाराज: अदालती सुनवाई के दौरान अपनी गवाही में सिंटुला ने कहा कि वह फिको की नीतियों से असहमत है, जिनमें भ्रष्टाचार से निपटने वाले विशेष अभियोजन कार्यालय को रद्द करना, यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता बंद करना और संस्कृति के प्रति सरकार का रवैया शामिल है। उसने गवाही में कहा, मैंने प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का फैसला किया था, लेकिन मेरा किसी की हत्या करने का कोई इरादा नहीं था।

वेस्ट बैंक में बसे इस्राइली नागरिकों ने फलस्तीनी किसानों को पीटा

जैतून की फसल को लेकर हुआ विवाद

गाजा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद बेशक गाजा में शांति हो गई है, लेकिन अभी भी नफरत और तनाव का माहौल बरकरार है। हाल ही में फलस्तीन के वेस्ट बैंक इलाके में जब कुछ फलस्तीनी किसान जैतून की फसल देखने पहुंचे तो वहां इस्राइली कैंपों में रहने वाले इस्राइली नागरिकों ने कथित तौर पर उन पर हमला किया। इस हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है और अन्य लोगों को भी चोट आई है।

वेस्ट बैंक के इस इलाके में अक्सर होती हैं हिंसक झड़पें: वेस्ट बैंक के जिस इलाके तुर्मुस अय्या में ये झड़प हुई, वह पश्चिमी तट पर स्थित इस्राइली कब्जे वाला इलाका है। इस इलाके में फलस्तीनी किसान कथित तौर पर अपनी जैतून की फसल काटने पहुंचे थे, लेकिन इस्राइली नागरिकों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

जैतून फसल कटाई के मौसम में ज्यादा होती हैं हिंसक घटनाएं: फलस्तीनियों का कहना है कि इस क्षेत्र में हिंसा बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार समूहों ने जैतून की फसल कटाई के मौसम की शुरुआत और फलस्तीनी किसानों के बढ़ते जोखिम को देखते हुए चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि, एक नकाबपोश व्यक्ति जैतून के बाग में दौड़ता हुआ और कम से कम दो लोगों को डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है, जो जमीन पर बेसुध पड़ी है। नकाबपोश व्यक्ति यहूदियों के एक पारंपरिक झालरदार वस्त्र, त्जित्जित पहने हुए दिख रहा है। रामल्लाह स्थित फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि महिला को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वेस्ट बैंक के पश्चिमी तट पर इस्राइल का कब्जा: तुर्मुस अय्या, जिसकी आबादी मुख्यत फलस्तीनी है। यह इलाका लंबे समय से इस्राइल के बसने वाले लोगों के हमलों का निशाना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान हिंसा और भी बदतर हो गई। तुर्मुस अय्या एक घाटी में बसा है जिसके चारों ओर इस्राइली बस्तियां और चौकियां हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 2025 की पहली छमाही में इस्राइली नागरिकों के हमलों की 757 घटनाएं हुई। पिछले वर्ष की तुलना में इस साल हिंसा की घटनाओं में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हिंसा के दौरान जैतून के पेड़ उखाड़े गए और कई को रसायनों की मदद से सुखा दिया गया। गौरतलब है कि साल 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध में इस्राइल ने पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी के साथ-साथ पश्चिमी तट पर भी कब्जा कर लिया था।

यूक्रेन पर शांति वार्ता खटाई में: जेलेंस्की के भेजे नक्शे को ट्रंप ने उठा कर फेंका, कहा- रूस की शर्तें स्वीकार करो

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन शांति वार्ताओं में कोई एकमत नहीं बन पाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कथित तौर पर यूक्रेन के अग्रिम मानचित्र देखकर थक गए हैं। 17 अक्टूबर 2025 को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के प्रतिनिधिमंडल द्वारा लाए गए नक्शे को ट्रंप ने फेंक दिया। ट्रंप का जोर इस पर था कि यूक्रेन रूस की शर्तें स्वीकार करे और पूर्वी हिस्से डोनबास को रूस को सौंप दे।

नक्शों की भूमिका : राजनीतिक भूगोलवेत्ताओं के अनुसार नक्शे शांति वार्ता और क्षेत्रीय संघर्ष में महत्त्वपूर्ण रणनीतिक उपकरण हैं। बोस्निया, काकेशस और यूक्रेन में यह देखा गया कि नक्शों पर रेखाएं खींचने से ही युद्धविराम या विभाजन की दिशा तय होती है।

भावनात्मक दृष्टिकोण बनाम व्यावसायिक दृष्टिकोण : जेलेंस्की और यूक्रेनी जनता भूमि की अखंडता और भावनात्मक पहचान के पक्षधर हैं, जबकि ट्रंप इसे व्यावसायिक सौदे की तरह देखते हैं। सैनिकों की कुर्बानी और भूमि का प्रतीकात्मक महत्व ट्रंप की नजर में नहीं आता।

गलतफहमी और कूटनीतिक बाधाएं : अगस्त 2025 में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रूसी प्रस्ताव की व्याख्या गलत की, जिससे अमेरिका ने नए प्रतिबंध टाल दिए। अलास्का शिखर सम्मेलन में पुतिन ने भी युद्धविराम की शर्तें ठुकराई, लेकिन प्रस्ताव दिया कि रूस डोनबास पर कब्जा करे और जापोरिज्जिया-खेरसॉन से पीछे हटे।

व्हाइट हाउस बैठक और नक्शा फेंकने की घटना : 18 अगस्त 2025 को सात यूरोपीय नेताओं और जेलेंस्की के साथ हुई बैठक में, ट्रंप ने यूक्रेन का मानचित्र फेंक दिया। नक्शे में रूस के कब्जे वाले क्षेत्र नारंगी में दर्शाए गए थे। ट्रंप ने बाद में कहा कि यूक्रेन का बड़ा हिस्सा पहले ही चला गया है, जबकि

जेलेंस्की इसे राष्ट्रीय अखंडता का मामला मानते हैं।

युद्धक्षेत्र को संपत्ति के रूप में देखना : ट्रंप युद्ध को रियल एस्टेट सौदे की तरह देखते हैं। उनका मानना है कि डोनबास को मौजूदा युद्ध रेखाओं के आधार पर बांट देना चाहिए। जेलेंस्की इसे राष्ट्रीय और भावनात्मक दृष्टिकोण से देखते हैं। इस तरह, मानचित्र और दृष्टिकोण के अंतर ने शांति वार्ता को जटिल बना दिया है।

युगांडा में हाईवे पर बस-ट्रक और कार की जोरदार भिड़ंत, 63 लोगों की मौत

युगांडा , एजेंसी। युगांडा में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां पर गुलु शहर जाने वाले हाईवे पर दो बसें और दो दूसरी गाड़ियां टकरा गईं। इस हादसे में कम से कम 63 लोगों की मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, ये हादसा तड़के सुबह हुआ है। यह पूर्वी अफ्रीकी देश में हाल के सालों में हुए सबसे बुरे सड़क हादसे में से एक है। इस भीषण सड़क हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है, जिनको अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

ओवरटेक की कोशिश ने ली 63 जान: पुलिस ने बताया कि विपरीत दिशा में जा रहे दो बस चालकों ने दूसरी गाड़ियों को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सभी आपस में किरयांडोंगो शहर के पास टकरा गए।

चूंकि युगांडा और पूर्वी अफ्रीका में दूसरी जगहों पर सड़क हादसे आम माने जाते हैं। यहां पर सड़कों का चौड़ा न होना हादसे की मुख्य वजह बनता है। इन हादसों के लिए पुलिस आम तौर पर तेज गति को जिम्मेदार मानती है। इसी तरीके से अगस्त के महीने में केन्या में अंतिम संस्कार के बाद वापस लौट रहे लोगों की तेज रफ्तार बस पलटकर एक खाई में गिर गई। इस हादसे में 25 लोगों की जान गई थी।

बुधवार को युगांडा में हुए इस हादसे में मृतकों की संख्या काफी ज्यादा है। इस हादसे पर रेड क्रॉस की स्पोक्सपर्सन आइरीन नाकासिता की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि घायलों के हाथ-पैर टूटे हुए थे और खून बह रहा था। उन्होंने कहा कि यह घटना

बहुत बड़ी है।

पुलिस ने लोगों से की ये खास अपील: गौरतलब है कि इस मामले में पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस ने एक बयान में कहा कि जैसे-जैसे जांच जारी है, हम सभी गाड़ी चलाने वालों से जोर देकर कहते है कि वे सड़कों पर अधिक से अधिक सावधानी बरतें, खासकर खतरनाक और लापरवाही से ओवरटेक करने से बचें, जो देश में क्रैश के मुख्य कारणों में से एक है।

मलेशिया में ट्रंप का हो रहा भारी विरोध? 20 संगठनों का 3 घंटे तक प्रदर्शन

क्वालालम्पुर , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर में आसियान शिखर सम्मेलन में शिरकत करने जाएंगे। मलेशिया ने उन्हें विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। संभावना है कि इस दौरान उनकी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो। अगर ऐसा होता है तो टैरिफ विवाद के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात होगी। 26 से 28 अक्टूबर के बीच क्वालालम्पुर में 47वां आसियान शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है।

दूसरी तरफ, मलेशिया के कई संगठनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का विरोध करने का फैसला किया है। मलय मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 20 से ज्यादा नागरिक संगठनों ने 26 अक्टूबर को क्वालालम्पुर के अम्पांग पार्क में अमेरिकी राष्ट्रपति का विरोध करने की योजना बनाई है। अपनी योजना को आगे बढ़ाते हुए 20 संगठनों के इस समूह ने कहा है कि 26 अक्टूबर यानी रविवार को वे सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक ट्रम्प, आपका मलेशिया में

स्वागत नहीं है शीर्षक से एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन आयोजित करेंगे।

विरोध-प्रदर्शन को 20 से ज्यादा संगठनों का समर्थन: बीडीएस मलेशिया के इंस्टाग्राम पेज पर साझा की गई प्रचार सामग्री के अनुसार, इस रैली को मुदा, पेजुआंग, अंगकाटन बेलिया इस्लाम मलेशिया और मलेशियाई इस्लामिक संगठनों की परामर्शदात्री परिषद (मैपिम) समेत 20 से अधिक सहभागी संगठनों का समर्थन प्राप्त है।

प्रदर्शनकारियों के लिए टूलकिट जारी: विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों के लिए एक टूलकिट भी जारी किया है, जिसमें कानूनी जानकारी दी गई है। उसमें विरोध-प्रदर्शन के प्रतिभागियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया है और कहा गया है कि अगर उनसे पूछताछ की जाती है, या उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, या पुलिस को बयान देने के लिए कहा जाता है तो क्या करना है। टूलकिट में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों को कानूनी सलाह लेने और आत्म-दोष से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार करने का अधिकार है। सलाह में प्रदर्शनकारियों से यह भी आग्रह किया गया है कि अगर उन्हें हिरासत में लिया जाता है तो वे शांत रहें, सहायता के लिए किसी निर्दिष्ट कानूनी हेल्पलाइन से संपर्क करें, और पुलिस के खाली बयानों पर हस्ताक्षर करने से बचें।

ट्रंप से क्यों खफा मुस्लिम देश के लोग: सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होने वाले इस प्रदर्शन का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का खुला विरोध करना है। यह विरोध प्रदर्शन फिलिस्तीन और मध्य पूर्व के प्रति ट्रम्प की नीतियों और बयानों की आलोचना के बीच हो रहा है। माना जा रहा है कि गाजा पट्टी में इजरायली कार्रवाई का समर्थन करने की वजह से मलेशियाई नागरिक संगठन ट्रंप का विरोध कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और संयुक्त राष्ट्र आयोग द्वारा नरसंहार बताए जा रहे गाजा पर इजरायल के युद्ध में अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 68,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 170,200 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।

मथुरा के करीब मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरे, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग प्रभावित

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के निकट मंगलवार रात एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बेपटरी हुए डिब्बों में माल लदा हुआ था। यह घटना आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड में वृंदावन रोड स्टेशन और आझई स्टेशन के बीच मंगलवार रात करीब 8-24 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और ट्रेन के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। हालांकि, इस दुर्घटना के कारण डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन सभी बाधित हो गईं। अधिकारियों ने चेताया कि इससे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा मार्ग पर कई ट्रेनों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। रेलवे विभाग ने तुरंत बचाव और पटरी सुधार का काम शुरू कर दिया है, ताकि यातायात को जल्द बहाल किया जा सके। संबंधित लाइन के रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेनों की समय सारणी और अपडेट्स के लिए रेलवे की वेबसाइट या संबंधित स्टेशन से जानकारी लेते रहें।

ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, महिला का वीडियो वायरल

मुंबई (एजेंसी)। ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। श्रद्धा शर्मा नाम के हैंडल से महिला ने एक्स पर वीडियो शेयर कर दावा किया कि वह ताज होटल में डिनर के लिए गई थीं। महिला के अनुसार, उनके बैठने के तरीके (कुर्सी पर पालथी मारकर/पैडमासन स्टाइल में बैठना) पर होटल मैनेजर ने आपत्ति जाहिर की। मैनेजर ने कथित तौर पर महिला से कहा कि एक अमीर गेस्ट को उनके बैठने के तरीके से दिक्कत हो रही है। महिला ने अपने पहनावे (कोल्हापुरी चप्पल) पर भी आपत्ति जताने का दावा कर कहा कि मैनेजर ने उन्हें तरीके से बैठने और बंद जूते पहनने को कहा, क्योंकि यह फाइन डाइनिंग जगह है जहाँ बहुत अमीर लोग आते हैं। महिला ने होटल ताज के इस रवैये पर गुस्सा और निराशा व्यक्त कर सवाल किया कि अपनी मेहनत की कमाई से आकर सम्मान के साथ बैठने में क्या गलती है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया है, जिस पर लोग होटल के व्यवहार की आलोचना कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग फाइन डाइनिंग के शिष्टाचार का पक्ष ले रहे हैं। महिला ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक आम इंसान, जो मेहनत करके, अपना पैसा कमा कर, अपनी इज्जत के साथ ताज होटल में आता है, उस आज भी इस देश में जलील और अपमानित होना पड़ता है। और मेरी गलती क्या है? सिर्फ ये कि मैं बैठ गई एक 卐पालथी मारकर बैठ गई卐? क्या ये मेरी गलती है कि ताज मुझे सिखा रहा है कि कैसे बैठना चाहिए, क्या करना चाहिए? ताज होटल की ओर से अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

अररिया की जेसीबी नहर अब बनी मौत की नहर... 48 घंटों में डूबने से सात मासूमों की मौत

अररिया (एजेंसी)। बिहार के अररिया जिले के भरगामा प्रखंड के सिरसिया हनुमानगंज स्थित जेसीबी नहर अब मौत की नहर बन गई है। नहर में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। ये खेलते-खेलते नहर के किनारे पहुँची थीं। एक का पैर फिसलने पर बाकी दो उसे बचाने के प्रयास में डूब गईं। इस घटना से एक दिन पहले इसी नहर में डूबने से चार अन्य बच्चों की मौत हुई थी। इस प्रकार, बीते 48 घंटों में इस नहर में डूबने से कुल सात मासूमों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे हादसों ने स्थानीय प्रशासन और जल संसाधन विभाग के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर कई जगहों पर गहरी और असुरक्षित है, लेकिन इसके किनारों पर न तो कोई सुरक्षा घेरा है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। ग्रामीणों की मांगों को अनसुना किया गया था। ग्रामीण अब आक्रोशित हैं और प्रशासन से इस नहर को जल्द से जल्द सुरक्षित बनाने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। यह जिले की पहली ऐसी घटना है, जिसमें दो दिनों के भीतर एक ही जगह सात बच्चों की मौत हुई है। यह दुर्घटना स्थानीय प्रशासन को तुरंत सुरक्षा उपाय करने की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।

गुजरात में पत्नी ने की दरिंदगी, पति के प्राइवेट पार्ट को तेजाब डालकर जला दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में एक महिला ने अपने पति के साथ रुह कंपाने वाली दरिंदगी कर दी। 33 साल के एक शख्स पर पत्नी ने पहले खौलता पानी उड़ेल दिया और फिर तेजाब से शरीर के कई हिस्सों को जला दिया। डिलीवरी वर्कर के रूप में काम करने वाला शख्स अब अस्पताल में जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहा है। एफआईआर के मुताबिक, वह सो रहा था और पत्नी अचानक उसे गालियां देने लगी। पीड़ित ने कहा, उसने अचानक मेरा कंबल खींच लिया। पहले मुझपर खौलता पानी डाल दिया। इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता उसने तेजाब की बोतल उठाई और मुझ पर फेंका। प्राइवेट पार्ट्स पर भी तेजाब डाल दिया। सैटेलाइट पुलिस स्टेशन के जांचकर्ताओं के मुताबिक, महिला अपने पति पर शक करती थी कि उसका दूसरी महिला से भी संबंध है। इसको लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। पीड़ित सोला सिविल अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती है। पेट, जांघ, पीठ, हाथ और प्राइवेट पार्ट पर जख्म हैं। हमला करके भागी पत्नी के खिलाफ पीड़ित ने अस्पताल के बिस्तर से ही शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 31 साल की पत्नी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों ने दो साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी।

जब सुप्रीम कोर्ट के जज सिडान कार से चलते हैं, तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू क्यों?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली सर्वोच्च संस्था लोकपाल इन दिनों अपने एक फैसले को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल, लोकपाल ने हाल ही में सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारें खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है, जिनकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस फैसले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट कर सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट के जज सिडान कारों में चलते हैं, तो लोकपाल के चेयरमैन और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू की क्या जरूरत है? जनता के पैसों से इन गाड़ियों की खरीद क्यों की जा रही है? उम्मीद है लोकपाल के कम से कम एक या दो सदस्य इन कारों को लेने से इनकार करेंगे। चिदंबरम की यह टिप्पणी एक रिपोर्ट में

सामने आई, जिसमें खुलासा हुआ कि लोकपाल ने सात बीएमडब्लू कार की खरीद के लिए टेंडर जारी किया है। दस्तावेज़ों के मुताबिक इन सभी गाड़ियों का रंग सफेद होगा और इन्हें दिल्ली के वसंत कुंज स्थित लोकपाल कार्यालय में दो हफ्तों के अंदर डिलीवर करना है। टेंडर में यह भी कहा गया है कि सप्लायर को ये बीएमडब्लू कार चलाने के लिए लोकपाल के ड्राइवरों को सात दिन की खास ट्रेनिंग देनी होगी। बीएमडब्लू की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक इस सेगमेंट की सबसे लंबी और लक्ज़री कार मानी जाती है, जिसमें पीछे बैठने के लिए सबसे ज़्यादा जगह और आराम दिया गया है। एक कार की ऑन-रोड कीमत करीब 70 लाख है। लोकपाल की यह खरीद इसलिए भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि संस्था का मकसद जनहित और पारदर्शिता से जुड़ा है। इसके सदस्यों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं सुप्रीम कोर्ट के जजों के बराबर होती हैं। राजनीतिक हलकों में अब यह बहस छिड़ गई है कि जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के जज सरकारी सिडान कारों से चलते हैं, तो फिर लोकपाल जैसी संस्था को इतनी महंगी जर्मन कारों की जरुरत क्यों पड़ी? अब तक लोकपाल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन चिदंबरम का यह बयान विपक्ष के उस रुख को और मजबूत करता है जिसमें सरकार पर 'भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची' के दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया जा रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दिया बयान... राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। आरएसएस को निशाना बनाने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिर जारी किए सर्कुलर में केवल 2013 में बीती बीजेपी सरकार से जारी आदेश को दोहराता है, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों में सभी संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ का नाम उस आदेश में कहीं नहीं है, जो स्कूल और कॉलेज परिसरों में संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेने के बारे में है। उन्होंने कहा कि यह नियम सभी पर लागू है और किसी खास समूह को निशाना नहीं बनाया गया है। इस कदम से अटकलें थीं कि यह सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस के कार्यक्रमों को सीमित करने के उद्देश्य से किया गया है। बता दें, इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 'सनातनियों' से दूरी बनाकर रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि आरएसएस और संघ परिवार ने हमेशा डॉ. आंबेडकर और उनके संविधान का विरोध किया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर बीजेपी भड़क गई। बीजेपी नेताओं ने उन पर 'तानाशाही' का आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस सरकार संघ की गतिविधियों को रोकने के नाम पर हिंदू संगठनों को दबा रही है।

दिवाली के अवसर पर साईं बाबा को पांच करोड़ रुपये के आभूषणों से सजाया गया

शिरडी (एजेंसी)। दिवाली के अवसर पर शिरडी के साईं संस्थान द्वारा मंगलवार को साईं बाबा की मूर्ति को 5 करोड़ रुपये मूल्य के विभिन्न सोने और हीरे के आभूषणों से सुसज्जित किया गया। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर में परंपरा के अनुसार लक्ष्मी पूजन उत्सव मनाया गया। दिवाली के अवसर पर मंगलवार को शाम 5 से 5.55 बजे तक साईं बाबा समाधि मंदिर के प्रांगण में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर और उनकी पत्नी वंदना गाडिलकर द्वारा लक्ष्मी पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश पूजन, लक्ष्मी-कुबेर पूजन, सरस्वती पूजन और साईं धूप-नैवेद्य जैसे कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के पदाधिकारी, शिरडी ग्रामीण और साईं भक्त उपस्थित थे। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के बाद शाम 6 बजे श्री की धूपबत्ती की गई। धूपबत्ती के बाद साईं भक्तों के लिए दर्शन कतार शुरू कर दी गई। दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर को बिजली से जगमगाया गया। साथ ही, साईंबाबा समाधि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। किंवदंती है कि द्वारकामाई में दीपक जलाने के लिए तेल नहीं था इसलिए दिवाली पर साईंबाबा ने पानी से दीपक जलाए थे। इसलिए, आज भी शिरडी में कई साईं भक्त दीपक जलाकर साईंबाबा की स्मृति को जीवित रखते हैं। देश भर के विभिन्न स्थानों से साईं भक्त शिरडी आते हैं और साईंबाबा की द्वारकामाई के सामने और लेंडी बाग के प्रांगण में दीपक जलाते हैं। दिवाली के दौरान हर जगह मीठा भोजन परोसा जाता है। साईंबाबा, जिन्होंने शिरडी में एक फकीर का जीवन व्यतीत किया, आज भक्तों द्वारा सोने और चांदी से मढ़े हुए हैं। त्योहारों और उत्सवों के दौरान, साईंबाबा को सोने की थाली में प्रसाद चढ़ाया जाता है। साईंबाबा के दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था करने के लिए लगभग साढ़े छह हजार कर्मचारी और अधिकारी तैनात हैं। वाहन चालकों-मालिकों, लॉज मालिकों व कर्मचारियों, छोटे-बड़े व्यापारियों व मजदूरों को मिलाकर एक लाख से अधिक परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाबा की कृपा से लक्ष्मी प्राप्त करते हैं। लक्ष्मी पूजा के अवसर पर कई घरों में साईं बाबा की तस्वीर रखकर उनकी पूजा की जाती है। कुछ भक्तों ने लेंडीबाग में अपने परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा की।

चुनावी जंग के बीच लालू परिवार को चुनौतियों ने घेरा, सीबीआई ने खड़ी कर दी गवाहों की फौज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने की जंग हर एक राजनैतिक दल लड़ रहा है। सभी अपनी जीत के लिए जनता के बीच जाकर वादे कर रहे हैं उन्हे बता रहे हैं कि आपका सबसे ज्यादा हित कौन कर सकता है। इसी बीच लालू परिवार तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो यानी सीबीआई ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में

खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं। सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त गवाहों से पूछताछ के बाद, सीबीआई आरोपियों के खिलाफ अपने आरोपों को पुष्ट करने के लिए कुछ और गवाह भी पेश करेगी। 13 अक्टूबर को आरोप तय करते हुए विशेष सीबीआई कोर्ट के जज विशाल गोगने ने कहा था कि वे प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अपने आदेश में जज ने कहा, निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे... यह स्पष्ट संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, ज़मीन के टुकड़ों का कम मूल्यांकन किया गया था और फिर वे लालू के हाथों में आ गए। न्यायाधीश ने 244 पृष्ठ के आदेश में मामले में मिलीभगत के पहलू को चिह्नित किया। बता दें कि सीबीआई ने यादव परिवार पर भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम की निविदाओं और अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। लालू प्रसाद यादव पर रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कोचर बंधुओं- विजय कोचर, विनय कोचर (दोनों मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, होटल चाणक्य, पटना के मालिक) और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप हैं, ताकि रांची और पुरी में रेलवे के बीएनआर होटलों को उप-पट्टे पर देने के लिए ठेके देने में फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

सीबीआई के आरोपपत्र के अनुसार, ठेके के बदले में कोचर ने कथित तौर पर पटना में एक प्रमुख भूखंड लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता और उनके सहयोगियों द्वारा नियंत्रित एक कंपनी को बेच दिया और बाद में इस कंपनी को यादव के परिवार के सदस्यों ने अपने नियंत्रण में ले लिया और यह मूल्यवान संपत्ति मामूली कीमत पर उन्हें हस्तांतरित कर दी।

चिराग का राहुल और तेजस्वी पर तंज, महागठबंधन संभल नहीं रहा... बिहार संभालने का सपना देख रहे

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमों और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में महागठबंधन की स्थिति पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने महागठबंधन में एकता की कमी का दावा किया। इसके साथ ही, महागठबंधन के नेताओं पर समाज के वंचित वर्गों के साथ छल करने का आरोप लगाया। चिराग ने कहा, महागठबंधन में इतनी गड़बड़ी चल रही है, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं? क्या यह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे सभी के साथ बैठकर गठबंधन में अड़चनों को दूर करें? यह कांग्रेस और राहुल गांधी की गंभीरता की कमी को दिखाता है। उनका कहना है कि 14 नवंबर के बाद बिहार में एनडीए सरकार बनेगी

और लोगों ने समझ लिया है कि अगर महागठबंधन पांच पार्टियों को एक साथ नहीं रख सकता, तब वहां बिहार को कैसे एकजुट रख पाएगा। पासवान ने कहा, जो लोग गठबंधन को संभाल नहीं सकते, वे किस दुनिया में जी रहे हैं, यह सोचने वाली बात है। आज भी दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे इसतरह के बयान दे रहे हैं ताकि गठबंधन की अव्यवस्था या विफलता को छुपाया जा सके। दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी को टिकट न मिलने पर उन्होंने कहा कि यह हमेशा से कांग्रेस और महागठबंधन नेताओं का तरीका रहा है। उनका उद्देश्य वंचित वर्गों का अपमान, भ्रम और धोखा देना है और मौका मिलते ही वे सिर्फ अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति करते हैं। चिराग पासवान ने महागठबंधन में हुए पूरी तरह के टूट की ओर इशारा कर कहा, इतनी गड़बड़ी के बावजूद अगर वे सत्ता की उम्मीद कर रहे हैं, तब यह मुंगेरी लाल के सपने के समान है। इस दौरान, चिराग पासवान ने राहुल गांधी पर भी तंज कसा। उन्होंने जलेबी का जिक्र कर कहा, वे जिस तरीके से हरियाणा में औंधे मुंह गिरे, बिहार में भी यही हाल होने वाला है।

महाराष्ट्र सरकार ने फसल क्षतिपूर्ति के लिए 648 करोड़ रुपये मंजूर किए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मानसून के दौरान अत्याधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए 648.15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह जानकारी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने मंगलवार को दी। मंत्री जाधव-पाटिल ने बताया कि इस वर्ष राहत योजना में बदलाव करते हुए राहत सीमा को दो हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन हेक्टेयर कर दिया गया है। इसका उद्देश्य वर्षा और बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस संबंध में सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी कर दिया गया है। जाधव-पाटिल ने कहा कि राहत एवं पुनर्वास विभाग ने चालू खरीफ सत्र के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए अब तक लगभग 8,139 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस नए फैसले से 6,12,177 किसानों को लाभ मिलेगा और 6,56,310.83 हेक्टेयर प्रभावित फसल क्षेत्र को राहत योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों की हर संभव मदद सुनिश्चित कर रही है ताकि वे प्राकृतिक आपदाओं के आर्थिक नुकसान से जल्दी उबर सकें।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सियासत शुरु आप ने सरकार पर साधा निशाना

ऑडिट रिपोर्ट में मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भयानक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि दिवाली के बाद आर्टिफिशियल रेन कराकर हवा साफ कर दी जाएगी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, पटाखा लॉबी को करोड़ों का फायदा हुआ है। सवाल यह है कि यह फायदा किसे बांटा गया? पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में अगर प्रतिबंधित पटाखे बिके, तो यह सीधी साठगांठ का मामला है। उन्होंने पूछा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, तो बाकी पटाखों की बिक्री कैसे हुई?

भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब यह लगभग तय है कि बीजेपी सरकार का पटाखा लॉबी के साथ समझौता है।

उन्होंने कहा, दिवाली की रात पीएम2.5 और पीएम10 का डेटा उपलब्ध क्यों नहीं है? डीपीसीसी के कई मॉनिटरिंग स्टेशन से जानकारी गायब क्यों थी? क्या सरकार अब प्रदूषण के आंकड़ों से छेड़छाड़ कर रही है? सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, जिस सरकार की मुख्यमंत्री को एक्यूआई भी सही से बोलना नहीं आता, वो आईक्यू, एआईक्यू, क्यू पता नहीं क्या बोलती हैं। उनसे प्रदूषण नियंत्रण की क्या उम्मीद की जाए? उन्होंने कहा कि बीजेपी अब वही डिफोमिंग एजेंट यमुना में डालकर दिखावा कर रही है, जिसके इस्तेमाल पर पहले वह आम आदमी पार्टी को कोसती थी। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के पूर्व पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली का प्रदूषण रेड जोन में पहुंच गया है, लेकिन सरकार सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त है। उन्होंने कहा बीते 20 दिनों में सरकार ने न तो कोई ठोस कदम उठाया और न ही कोई प्रभावी बातचीत की। जबकि विंटर एक्शन प्लान भी देर से घोषित किया गया। गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी के पास अब कोई बहाना नहीं बचा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और केंद्र सभी जगह बीजेपी की ही सरकार है। उन्होंने कहा, अगर प्रदूषण बाहरी इलाकों से आता है, तो भी जिम्मेदारी उन्हीं की बनती है। बीजेपी सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि, तुरंत प्रभावी कदम उठाए, क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है1

बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार से तेजी से कम हो रहे देश में हाथी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते आठ साल में हाथियों की संख्या में 25 फीसदी की कमी हुई है। 2017 के बाद पहली बार हुई हाथियों की गणना के मुताबिक, बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार और आवास का नुकसान भारत भर में हाथियों की मौत के प्रमुख कारण हैं। देश में 2017 में 29,964 हाथी जो मौजूदा समय में घटकर 22,446 रह गए हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक कमर कुरैशी ने कहा कि हाथियों को मारने वाली चीज आवास की हानि, बिजली का झटका और खेतों के चारों ओर जवाबी बाड़ लगाना है। वैज्ञानिक कुरैशी ने ही 14 अक्टूबर को जारी पहले डीएनए-आधारित हाथी जनसंख्या अध्ययन का नेतृत्व किया था।

भारत 1992 में शुरू की गई परियोजना हाथी के तहत 150 गलियारों को मान्यता देता है। लेकिन बढ़ती संख्या में-15 हाथी रेंज राज्यों में फैले अब सड़कों, पटरियों, बिजली लाइनों, खदानों और बस्तियों द्वारा प्रतिच्छेदित हैं। पश्चिमी घाट में, जहां सबसे अधिक 12,000 हाथी हैं। मध्य भारत में, खनन पट्टों ने कभी सटे हुए वन क्षेत्रों को खा लिया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संसदीय प्रस्तुतियों के आधार पर, 2017 और 2025 के बीच करीब 500 हाथियों की मौत बिजली के झटके से हुई। 100 हाथियों की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई और 50 हाथियों का अवैध शिकार हुआ। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि ये आंकड़े वास्तविक संख्या से कम होने की संभावना है, क्योंकि कई प्रविष्टियों को आंकड़ा उपलब्ध नहीं के रूप में चिह्नित किया गया है। एक रिपोर्ट में 3,452 किलोमीटर के क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के आधार पर 14 राज्यों के 77 खंडों को हाथियों के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बताया गया था। डब्ल्यूआईआई द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेलवे और राज्य वन विभागों के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट में 705 शमन संरचनाओं के निर्माण की सिफारिश की गई थी।

किस राज्य में कितने हाथी?

ताजा गणना में केरल (2,921), असम (1,560), मेघालय (1,077), ओडिशा (1,064) और अरुणाचल प्रदेश (997) में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई। कुछ राज्यों ने मामूली वृद्धि हुई, जिसमें टीएन (375), छत्तीसगढ़ (204), पश्चिम बंगाल (188), एमपी (90) और महाराष्ट्र (57) शामिल हैं। आईयूसीएन एशियाई हाथी विशेषज्ञ समूह के सदस्य कौशिक बरुआ ने कहा कि 2024 में अंतिम अनुमान अभ्यास के दौरान, असम ने कुल गणना पद्धति का उपयोग किया, जो हमारे इलाके के लिए सबसे उपयुक्त है।